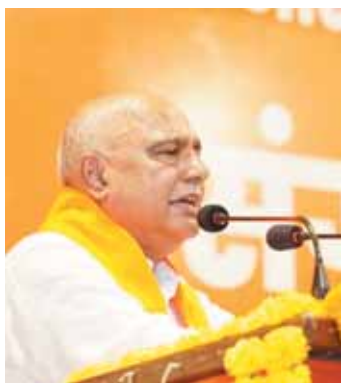

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 317/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 02 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

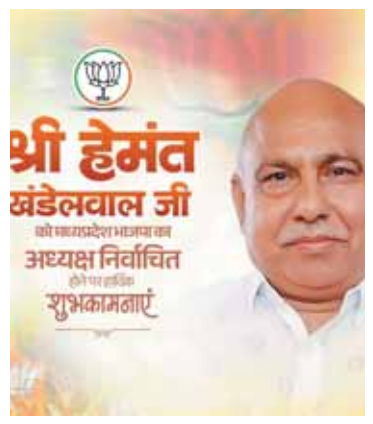

5 देशों की कूटनीतिक यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों के बहुपक्षीय और द्विपक्षीय यात्रा पर रवाना हुए. इस महत्वपूर्ण दौरे की शुरुआत अफ्रीकी देश घाना से हुई, जहां वे 2 से 3 जुलाई तक रुकेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीन दशकों में पहली घाना यात्रा है, जो भारत और घाना के बीच आर्थिक, ऊर्जा और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने की उम्मीद के साथ की जा रही है। पीएम मोदी की घाना यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति नाना अकुफो-एड्डो के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इस यात्रा के माध्यम से भारत अफ्रीकी देशों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

अर्जेंटीना में रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम

4 और 5 जुलाई को पीएम मोदी अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में रहेंगे। इस यात्रा के दौरान कृषि, रक्षा, खनिज, तेल और गैस जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर द्विपक्षीय चर्चा होगी। अर्जेंटीना में निवेश और व्यापार को लेकर भी कई अहम समझौतों की उम्मीद की जा रही है।

ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

ब्राजील में पीएम मोदी ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, डिजिटल समावेशन, सतत विकास और वैश्विक दक्षिण के हितों की रक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए ब्रिक्स जैसे मंचों को बेहद महत्वपूर्ण मानता है। हम एक शांतिपूर्ण, समतामूलक, लोकतांत्रिक और संतुलित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए प्रयासरत हैं।÷

त्रिनिदाद एवं टोबैगो जाएंगे पीएम मोदी

3 और 4 जुलाई को प्रधानमंत्री त्रिनिदाद और टोबैगो का दौरा करेंगे। भारतवंशी समुदाय की बड़ी आबादी वाला यह देश भारत के लिए सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है। पीएम मोदी की यह यात्रा 1999 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी, जो भारतीय प्रवासी समुदाय से गहरे जुड़ाव को दर्शाती है। 26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का त्रिनिदाद और टोबैगो जाना इस मायने में बेहद खास है क्योंकि 15 लाख से थोड़े अधिक आबादी वाले इस छोटे से देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ही अहम पदों पर महिला नेता विराजमान हैं। साथ ही ये दोनों नेता भारतवंशी भी हैं। पीएम मोदी प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर त्रिनिदाद के दौरे पर जा रहे हैं।

नामीबिया दौरे से होगा समापन

दौरे का अंतिम चरण 9 जुलाई को नामीबिया में होगा, जहां भारत और नामीबिया के बीच वन्यजीव संरक्षण, ऊर्जा सहयोग और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी को लेकर चर्चा होगी। नामीबिया के साथ भारत की 'चीता प्रोजेक्ट' जैसी परियोजनाएं पहले ही वैश्विक स्तर पर चर्चा में रही हैं।

प्रदेश भाजपा के कप्तान अब हेमंत खंडेलवाल

सब मिलकर काम करेंगे, पार्टी को बुलंदियों पर बरकरार रखना है

भोपाल। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में हेमंत विजय खंडेलवाल ने मध्य प्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और वीडी शर्मा ने खंडेलवाल को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने इस मौके पर खंडेलवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद जताई। बुधवार को भोपाल में केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में खंडेलवाल के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। खंडेलवाल का चयन निर्विरोध रहा, जिसे पार्टी के भीतर अनुशासन और एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है।

भाजपा उनके रग रग में है

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा के इस पर्व की प्रक्रिया पूरी हुई। मैं मानता हूं कि जो दायित्व सौंपा गया है, वो अहम है। इसके पहले 27 प्रदेश अध्यक्षों ने पार्टी को मजबूत किया है। बद्रीलाल दवे पहले अध्यक्ष थे। सुंदरलाल पटवा भी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बने। मेरे स्वर्गीय पिता भी कुशाभाऊ ठाकरे के पद पर चलते थे। आज हमारे बीच कई लोग नहीं है, मैं उनको याद करता हूं। कई लोगों ने बीजेपी को आगे ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बुलंदियों पर बरकार रखना है, आगे भी ले जाना है। बीजेपी किसी भी कार्यकर्ता को उसकी क्षमता के अनुरूप पद पर बैठाती है। उन्होंने कहा कि विश्व गुरु आज हम नरेंद्र मोदी के कारण हैं। अमित शाह, जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में हमें काम करना है। पहले एक मिथक था कि हम पांच साल पूरा नहीं कर पाते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने इस मिथक को तोड़ा है। वो कल्याणकारी योजनाएं लेकर आए और वो मिथक टूट गया। इस समय सीएम मोहन यादव भी हमारे प्रदेश में रोजगार और उद्योगों को लाने का काम कर रहे हैं। खंडेलवाल ने भाजपा में अनुशासन की बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन बड़ा होता है। सब मिलकर काम करते हैं। इस वजह से यहां पर सभी का सम्मान होता है। भाजपा का परिवार कई वर्षों से कांग्रेस के विरुद्ध झंडा बुलंद करता आया है। और आगे भी करता रहेगा उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान में कोई कमी नहीं आएगी। भाजपा उनके रग रग में है। हेमंत खंडेलवाल ने ये भी मैसेज देने की कोशिश की पार्टी सर्वोपरी है। उन्होंने कहा कि पार्टी से जो दाएं-बाएं होगा उसको परेशानी होगी। सत्ता और संगठन दोनों मिलकर काम करेंगे।

व्यक्तिगत और राजनीतिक पृष्ठभूमि

1964 में मथुरा में जन्मे हेमंत खंडेलवाल कानून स्नातक हैं और व्यवसाय से जुड़े रहे हैं। वे वरिष्ठ भाजपा नेता विजय कुमार खंडेलवाल के पुत्र हैं। 2008 में अपने पिता के निधन के बाद बैतूल से सांसद बने और 2013 में विधायक चुने गए। 2023 में उन्होंने एक बार फिर विधानसभा में वापसी की। उनकी 41 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। भाजपा खेमे में इसे अनुशासन और समन्वय का प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खंडेलवाल की नियुक्ति से भाजपा को एक स्थिर और समन्वित नेतृत्व मिलेगा।

सीएम बोले, कांग्रेस परेशान है कि भाजपा के खजाने में कितने रत्न हैं

निर्वाचन समारोह को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने हेमंत खंडेलवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परेशान है कि भाजपा के खजाने में कितने रत्न हैं, जो खत्म ही नहीं हो रहे। कांग्रेस खत्म हो जाएगी लेकिन हमारे रत्न खत्म नहीं होंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी ऋतुओं में हेमंत ऋतु का आनंद ही अलग है। हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि अब हमारे सामने पंचायत और विधानसभा चुनाव की चुनौती है। इससे पहले प्रदेशाध्यक्ष रहे वीडी शर्मा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को भाजपा का राष्ट्रीय ध्वज सौंपकर अध्यक्ष पद से मुक्त हुए।

इन्होंने नाम प्रस्तावित किया था

प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार, सावित्री ठाकुर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश शासन के मंत्री राकेश सिंह, प्रहलाद सिंह पटेल एवं कैलाश विजयवर्गीय की ओर से पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने हेमंत खंडेलवाल के नाम का प्रस्ताव रखा।

शिवराज बोले- सीएम राइज स्कूल के लिए हेमंत से प्रेरणा ली

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जोरदार स्वागत करो अब हेमंत खंडेलवाल अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं माहौल को भगवा मय बना रहे हैं। हेमंत खंडेलवाल से पहले विष्णुदत्त शर्मा को सफलतम कार्य के लिए बधाई। हेमंत को जब 2008 में विधानसभा चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया, तो वो तीन बार मना करने आए थे। लेकिन हमने तय किया चुनाव लड़ाएंगे वे निर्वाचित हुए, वे एक आदर्श विधायक रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हेमंत से स्कूल को बेहतर कैसे बनाएं इसका सुझाव लिया था। गांव में बेहतर स्कूल के लिए हेमंत से प्रेरणा लेकर सीएम राइज स्कूल की योजना बनाई।

धर्मेंद्र प्रधान ने हेमंत को चुनने के लिए धन्यवाद दिया

चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा 1313 में से 1101 मण्डल की निर्वाचन हुए, 62 जिलों की संगठन की प्रक्रिया पूरी हुई है। जन संघ से शुरू हुई यह पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। प्रधान ने कहा अभी तक विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में पार्टी का कार्य हुआ, शिवराज सिंह चौहान जैसे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास के कार्य हुए। मध्य प्रदेश के संगठन पर्व में हम सब सहभागी बने है। उन्होंने कहा, आज नया अध्याय जुड़ रहा है। मैंने नामांकन के लिए 6.30 बजे तक इंतजार किया लेकिन केवल एक ही नामांकन आया। जांच पड़ताल के बाद नामांकन सही पाया गया। सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी हेमंत खंडेलवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। मैं मध्य इकाई को हेमंत जी को चुनने के लिए धन्यवाद देता हूं। हेमंत खंडेलवाल को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र देकर भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया।

विशेष खबर एवं फोटो अंतिम पेज पर देखे।

सांध्यप्रकाश विशेष

अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना, उपराज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

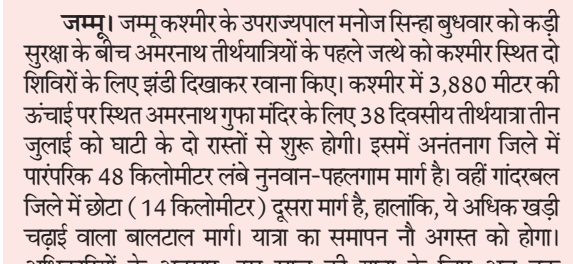

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को कश्मीर स्थित दो शिविरों के लिए झंडी दिखाकर रवाना किए। कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को घाटी के दो रास्तों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग है। वहीं गांदरबल जिले में छोटा (14 किलोमीटर) दूसरा मार्ग है, हालांकि, ये अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग। यात्रा का समापन नौ अगस्त को होगा। अधिकारियों के अनुसार, इस साल की यात्रा के लिए अब तक 3,31,000 से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं।अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रा के लिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं का मौके पर ही पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है। पिछले दो दिनों में करीब 4,000 टोकन बांटे गए हैं। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने कहा कि यात्रा का पहला जत्था आज बुधवार को भगवती नगर स्थित जम्मू आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना हो रहा है। इसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के कड़े इंतजाम अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं को भारी सुरक्षा व्यवस्था, यातायात पाबंदियों और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों तक पहुंचाया जाएगा। एक यातायात अधिकारी ने बताया कि दो जुलाई से नौ अगस्त तक विभिन्न मार्गों पर यातायात पाबंदियां लगाई जाएंगी तथा असुविधा को कम करने के लिए हर रोज सूचना जारी किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, 3,500 से अधिक तीर्थयात्री यहां भगवती नगर यात्री निवास पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने एक उच्च स्तरीय बैठक में यात्रा के लिए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। वह श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष भी हैं। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने भी जम्मू में आधार शिविर का दौरा किया और कहा कि शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा के लिए सभी व्यवस्थाएं कर दी गई हैं।

रहवासियों की समस्याओं को लेकर निगम अधिकारियों से चर्चा कर मंत्री कृष्णा गौर ने दिए निर्देश

पटेल नगर कॉलोनी के कॉलोनाईजर के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रायसेन रोड स्थिति पटेल नगर कालोनी के कॉलोनाईजर के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज होगा। प्रकरण दर्ज कराने के लिए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर मंगलवार को मंत्रालय में गोविंदपुरा क्षेत्र की सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था, अग्रोहा गृह निर्माण समिति, कुंजन गृह निर्माण समिति, पटेल नगर कॉलोनी और रहवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर रहीं थी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने पटेल नगर कॉलोनी में स्कूल, खेल मैदान, पार्क आदि के लिए छोड़े गए भू-खंडों को नगर निगम के लिए सौपने के स्थान पर कॉलोनाईजर ने इस कॉलोनी के प्राईमरी स्कूल के एक भू-खंड को निजी तौर पर विक्रय कर दिया। नगर निगम के स्वामित्व के इन भू-खंड को विक्रय करने का अधिकार कॉलोनाईजर को नहीं है। कॉलोनाईजर द्वारा किया गया यह कृत्य आपराधिक है। इसको ध्यान में रखते हुए राज्यमंत्री गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को कॉलोनाईजर के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कॉलोनाईजर द्वारा विक्रय किए गए भू-खंड की रजिस्ट्री को शून्य कराने की प्रक्रिया भी शुरू करें। इसके साथ ही कॉलोनाईजर अन्य ओपन एरिया को विक्रय नहीं कर सके इसकी व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि पटेल नगर कॉलोनी 1960 के दशक में विकसित की गई थी। इसमें 700 से अधिक प्लाट हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी संस्था खजूरी भोपाल में आवंटियों और सहकारी संस्था के पदाधिकारियों के बीच कॉलोनी के विकास कार्यो को लेकर आ रही समस्या के निराकरण के लिए और समिति में पिछले वर्षों में हुई कार्यवाही से आवंटियों को उनका वास्तविक हक दिलाने के लिए संयुक्त आयुक्त, सहकारिता भोपाल को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप आयुक्त सहकारिता से कहा कि वह आवंटियों और सहकारी संस्था के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या का निराकरण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अग्रोहा गृह निर्माण समिति नर्मदापुरम रोड की सीवेज और सड़क निर्माण के लिए रहवासियों के साथ समन्वय कर अधिकारियों को कार्य करने के लिए कहा। इसी प्रकार कुंजन गृह निर्माण संस्था नर्मदापुरम रोड में फेस-1 और फेस-2 में सीवेज और रोड के विकास के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, कॉलोनियों के रहवासी और सहकारी समितियों के पदाधिकारी मौजूद थे।

रोटरी क्लब भोपाल मिडटाऊन का रक्तदान शिविर, 83 से ज्यादा लोगों ने किया रक्तदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में मंगलवार को 83 से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर आज डॉक्टर डे एवं सी ए दिवस पर दो दर्जन से अधिक डॉक्टर और सी ए का सम्मान किया गया। रोटरी क्लब मिडटाऊन द्वारा 1 जुलाई को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस नेक पहल में हमें कई प्रतिष्ठित क्लबों और संस्थाओं का सहयोग रहा। जिनमें करियर कॉलेज और करियर हॉस्पिटल, आर.सी. भोपाल मेन, आर.सी. ईस्ट भोपाल, और स्वप्ना घोष फाउंडेशन शामिल हैं।

क्लब मिडटाऊन के अध्यक्ष हेम सिंह गुर्जर और सचिव रश्मि गुर्जर ने बताया कि विभिन्न संस्थाओं के वालिंटियर और विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया।मानव मात्र की सहायता के पवित्र संकल्प के तहत किए जा रहे इस शिविर का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक ज़रूरतमंदों की मदद की जा सके। रक्तदान शिविर के लिए रक्त संग्रह वैन हमीदिया हॉस्पिटल द्वारा उपलब्ध कराई गई।

रोटरी क्लब हिल्स के नेतृत्व में नववर्ष का पहला सेवा प्रकल्प, शिविर में किया 172 यूनिट रक्त संग्रहित

भोपाल। रोटरी इंटरनेशनल के नए रोटरी वर्ष 2025-26 की शुरुआत रोटरी क्लब ऑफ भोपाल हिल्स ने एक प्रेरणादायक सेवा प्रकल्प के साथ की। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष मित्तल और क्लब सचिव रोटेरियन कमल वाधवानी के संयुक्त नेतृत्व में, जिले भर में रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया गया, जिसमें कुल 172 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस आयोजन में जिला रक्तदान चेयरमैन रोटेरियन अनिल कुमार गुप्ता, इवेंट चेयरमैन रोटेरियन एहसान उल्ला अंसारी तथा इवेंट कोऑर्डिनेटर रोटेरियन शिवकुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविरों का आयोजन पंजाबी बाग, रिगल ट्रेजर, अयोध्या बायपास, पीपुल्स हॉस्पिटल, अयोध्या, डेनासिया डेंटल, रत्नागिरी, समन्वय भवन, त्रिलंगा, हनुमान मंदिर, छोला में किया गया। इस सेवा कार्य में भोपाल के सभी रोटरैक्ट क्लबों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा, जिन्होंने आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं से लेकर जनजागरूकता तक हर मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का यह पहला सेवा प्रोजेक्ट इस वर्ष को मानवता और सेवा की दिशा में समर्पित करने का संकल्प है। क्लब आने वाले महीनों में भी समाज कल्याण के ऐसे सार्थक प्रकल्पों को निरंतर गति देता रहेगा।

बीएमएचआरसी में खुलेगा मेडिकल कॉलेज, विश्व डॉक्टर्स डे पर सांसद ने की घोषणा, प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

हृदय विभाग की नई इकोकार्डियोग्राफी मशीन का उद्घाटन भी किया और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में एक औषधीय पौधा लगाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बीएमएचआरसी में जल्द ही एक मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। विश्व डॉक्टर्स डे के अवसर पर आयोजित समारोह में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने यह घोषणा है। उन्होने बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव को इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में जल्द ही एक मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। विश्व डॉक्टर्स डे के अवसर पर आयोजित समारोह में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने यह घोषणा है। उन्होने बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव को इसका प्रस्ताव (छ्क्क्र) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान सांसद शर्मा ने हृदय विभाग की नई इकोकार्डियोग्राफी मशीन का उद्घाटन भी किया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में एक औषधीय पौधा रोपा। इस अवसर पर संस्थान के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और प्रबंधन के लोग मौजूद थे। सांसद कहा कि भोपाल शहर की आबादी में काफी वृद्धि हुई है और बीएमएचआरसी लंबे समय से गैस पीड़ितों का इलाज कर रहा है। अब समय है कि अस्पताल का विस्तार किया जाए। हाल ही में, आयुष्मान कार्ड और बीपीएल कार्ड धारकों का इलाज भी बीएमएचआरसी में शुरू किया गया है, लेकिन शहर की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब यहां मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य से संबंधित अन्य इकाइयां स्थापित करना आवश्यक है। विशेष रूप से कैंसर और किडनी के इलाज के लिए विशेष केंद्र यहां बनने चाहिए। जिससे गरीब और समाज के अंतिम व्यक्ति तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

डॉक्टरों को किया सम्मानित

समारोह में सांसद आलोक शर्मा ने बीएमएचआरसी के ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। बता दें, ब्ख्त्रक्तष्ट की स्थापना को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। सांसद ने डॉ. मनीषा श्रीवास्तव से 100 एकड़ में फैले इस अस्पताल में नया मेडिकल कॉलेज खोलने और नए मेडिकल एवं जनरल मेडिसिन विभाग की स्वीकृति के लिए दिल्ली से प्रस्ताव जल्द पारित कराने हेतु डीपीआर तैयार करने को कहा है

महिलाओं के सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का नवीन सत्र प्रारंभ

भोपाल। आज देशम् संगठन द्वारा संचालित देशम् आदर्श निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का नवीन सत्र वर्ष 2025-26, 01 जुलाई 2025 से कक्षा पांचवीं से कक्षा आठवीं तक के बच्चों के लिए (1) संत रविदास नगर, नया बसेरा, (2) संत रविदास मंदिर परिसर, नारियलखेड़ा एवं (3) हरदा जिले के विकास नगर में प्रारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही देशम् कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के लिए सिलाई कढ़ाई निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण के नए वैच भी (1) संत रविदास नगर, नया बसेरा, भोपाल एवं (2) संत रविदास मंदिर परिसर, नारियलखेड़ा, भोपाल में प्रारंभ किये जा रहे हैं।

हेल्थ हॉस्पिटल में भारत का पहला स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक सिस्टम लोकार्पित

भोपाल। डॉक्टर्स डे के अवसर पर हर हेल्थ हॉस्पिटल, भोपाल ने महिला स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल करते हुए भारत में निर्मित पहला स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक सिस्टम - एसएसआई मंत्रा लोकार्पित किया। इस अत्याधुनिक सिस्टम का उद्घाटन इसके आविष्कारक, विख्यात रोबोटिक कार्डियोथोरेसिक सर्जन एवं एसएस इनोवेशन के संस्थापक डॉ. सुधीर श्रीवास्तव द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया। अब फाइब्रॉइड, एंडोमेट्रियोसिस, हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय हटाने की सर्जरी) और गर्भाशय कैंसर जैसी जटिल स्त्रीरोग समस्याओं का उपचार और भी अधिक सटीक, कम जोखिम और तेज रिकवरी के साथ संभव हो सकेगा।

5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम होटल प्रबंधन संस्थान भोपाल में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईको पर्यटन गंतव्य स्थलों पर कार्यरत समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कठौतिया, समरधा, सतधारा, मगरपाठ, बोदाखो, कुकरू, चारखेड़ा, रानेहफाल, खिवनी और उमरियाखेड़ा ईको पर्यटन स्थलों से आये कुल 22 समिति सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती समिता राजौरा ने बताया कि आईएचएम के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को लाइव खाना बनाकर सिखाया गया एवं आतिथ्य सत्कार के बारे में भी जानकारी दी गयी। साफ-सफाई, हाउस क्लीनिंग, सर्विंग और एटीकेट्स के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती राजौरा, प्राचार्य आईएचएम भोपाल डॉ. रोहित सरीन द्वारा समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये।

निजी स्कूलों में कमीशनखोरी, जनसुनवाई में की शिकायत

भोपाल।भोपाल कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाद भी राजधानी के निजी स्कूलों में कमीशनखोरी पर रोक नहीं लग पा रही है। यहां कापी किताब से लेकर ड्रेस, जूते तक में निर्धारित दुकानों से खरीदी अनिवार्य कर कमीशखोरी की जाती है। कमीशनखोरी का मामला अब कलेक्टर जनसुनवाई तक पहुंच गया है। मामले में प्रशासनिक अधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी को फटकार लगाई है। और तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। दरअसल भोपाल में शिक्षा के नाम पर हो रही खुली लूट और अभिभावकों के शोषण के खिलाफ मंगलवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई स्कूलों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। त्रिपाठी ने शिकायत में स्पष्ट किया कि ये स्कूल कुछ चुनिंदा दुकानों से अत्यधिक कीमतों पर ड्रेस, किताबें और स्टेशनरी खरीदवाने के लिए अभिभावकों पर अनैतिक दबाव बना रहे हैं। इन दुकानों के पास न तो वैध रजिस्ट्रेशन है, न ही जीएसटी बिल दिए जाते हैं। यह पूरा तंत्र कमीशनखोरी और टैक्स चोरी पर आधारित है।

कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाया शहीद बीरबल ढालिया का बलिदान दिवस

भोपाल। 1 जुलाई 1946 को स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देकर मात्र 27 वर्ष की युवावस्था में शहीद हुए भारत माता के सपूत,राष्ट्र वादियों व युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत और जीनगर समाज के गौरव अमर शहीद बीरबल जी ढालिया के 79 वे बलिदान दिवस पर लखेरापूरा माधो पहलवान चौराहा और समाज धर्मशाला में स्मरण सभा में जीनगर समाज और शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के तत्वाधान में श्रद्धा पूर्वक मनाया अध्यक्ष अजय पवार, ओम प्रकाश बोराना, पंकज चौकसे, क्षेत्रीय पार्षद और जोन अध्यक्ष विनीता विकास सोनी, पार्षद सरोज हरिओम आसेरी, पृथ्वीराज चौहान, अशोक सांकले ने बीरबल जी के चित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करते हुए कहा कि बलिदानियों के प्रति हमें कृतज्ञता का भाव और हमारे कर्तव्यों का भान होना आवश्यक है। संयोजक भगवानदास ढालिया, ने बीरबल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन करते हुए कहा कि 1 जुलाई 1946 को प्रज्ञा परिषद के आव्हान पर रायसिंह नगर में अंग्रेजों के खिलाफ विशाल जुलूस का नेतृत्व कर रहे बीरबल जी जो अंग्रेजों की आंखों की किरकरी बन चुके थे अंग्रेज सरकार के आदेश की अवहेलना करने पर उन्हें 3 गोलिया मारी गई रक्त की अंतिम तक बूंद बीरबल जी ने तिरंगे को थामे रखा और शहीद हो गए। 25 अप्रैल 1983 को देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने श्रीगंगानगर के मुख्य चौक पर बीरबल जी की

विशाल प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें महान बलिदानी बताया था। संस्था के प्रवक्ता प्रेम पवार ने शासन से भी राजधानी में शहीद बीरबल जी की प्रतिमा स्थापित कर उनके व्यक्तित्व कृतित्व को पाठ्यक्रम में शामिल करने की सांसद आलोक शर्मा जी से मांग की ।इस अवसर पर विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण कर रहे 79 छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री दी गई। समारोह में राजेश आसेरी,मनोहर पवार,गजेंद्र पवार, देवेंद्र चौहान, के.एम.खांचा,रमेश निवाण, संजय गोयल, राजेश सोनगरा, दीपक जैन, अकबर खान, आसिफ शेख,राजेश, अशोक राजपूत, बायड,मनोज सांखला, मुकेश पवार, विकास चौहान, सुनील डाबी, मोती डाबी,आदि ने बीरबल जी के साथ ही हजारों हजार ज्ञात अज्ञात अमर बलिदानीयो को भी नमन कर श्रद्धांजलि दी और बलिदानियो के सपनों के अनुरुप देश विकसित हो यह संकल्प भी दिलाया।

एल बी टी सभागार में शाम को हास्य नाटक शेर सिंह शेरू का मंचन

भोपाल। आज शाम 7 बजे, श्यामला हिल्स स्थिति, एल बी टी सभागार में, रिफ्लेक्शन सोसायटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड क्लचर भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश शासन संचालनालय के सहयोग से हास्य नाटक शेर सिंह शेरू का मंचन किया जाएगा। नाटक का रूपांतरण एवं निर्देशन अर्शिन ख़ान द्वारा किया गया है। इंस्पेक्टर शेरसिंह शेरु की कहानी दो नाट्य समीक्षक उत्साही और अवरोधी के इर्द-गिर्द घूमती है जिन्हे एक नए मर्डर मिस्ट्री नाटक क़ातिल कौन के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बुलाया जाता है। जहां एक ओर उत्साही और अवरोधी नाटक की अजीब-ओ-गरीब कहानी और उससे भी अलहदा किरदारों की गुत्थी को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, वहीं दूसरी ओर खुद की व्यक्तिगत परेशानियों में भी उलझे होते हैं। इंस्पेक्टर शेरसिंह शेरु नाटक, टॉम स्टॉपर्ड के प्रसिद्ध हास्य एकांकी द रियल इंस्पेक्टर हाउण्ड का हिन्दी रूपान्तरण है। जहां मूल कहानी विदेशी सामाजिक परिस्तिथीयों और संस्कृति के अनुरूप है, इस नाटक को भारतीय दर्शकों और परिवेश के अनुसार ढालने का प्रयास किया है। प्रवेश निःशुल्क है,

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विजन@2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हुआ एमओयू

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केन्द्र ने किया एम.ओ.यू का आदान-प्रदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केंद्र के बीच मंत्रालय में एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। इस साझेदारी के अंतर्गत दोनों संस्थान जल संरक्षण, सतत् कृषि और ग्रामीण आजीविका सृजन, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, गौधन संवर्धन, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। यह समझौता सतत् विकास लक्ष्यों की दिशा में राज्य सरकार की पहलों को सशक्त् करने, पीपीपी मॉडल (सार्वजनिक निजी भागीदारी) को बढ़ावा देने, नीतिगत निर्णयों में सहयोग, योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन और व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदेश की दीर्घकालिक विकास योजना विजनञ्च2047 के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुए समझौता पत्र के आदान-प्रदान के अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री संजय शुक्ला, म.प्र. राज्य नीति आयोग के श्री ऋषि गर्ग, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के श्री रोहन जैन, श्री अजित भास्कर तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पद्म विभूषण श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था समग्र विकास सहित क्षमता विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। आर्ट ऑफ लिविंग के विभिन्न कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, वैज्ञानिकों, सशस्त्र बलों, पंचायती राज प्रतिनिधियों, युवाओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु विशेष रूप से बनाए गए हैं। संस्था जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, कौशल विकास, ग्रामीण विकास, वनीकरण, नशामुक्ति, जेल सुधार, सीमावर्ती गाँव विकास जैसे क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। साथ ही आर्ट ऑफ लिविंग की विभिन्न राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के साथ सक्रिय भागीदारी है। भारत सरकार कर्मयोगी भारत के साथ संस्था का समझौता सरकारी अधिकारियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु भी प्रभावी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कल प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को वितरित करेंगे लैपटॉप

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 4 जुलाई को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में लैपटॉप वितरित करेंगे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहेंगे।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में होगा कार्यक्रम

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस वर्ष 94 हजार 234 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिये 235 करोड़ 58 लाख 50 हजार रूपये की राशि दी जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के 500 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश में पिछले वर्ष 2023-24 में 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खातों में 224 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। प्रदेश में यह योजना वर्ष 2009-10 से संचालित हो रही है। पिछले 15 वर्षों में इस योजना में 4 लाख 32 हजार 16 विद्यार्थियों के बैंक खातों में एक हजार 80 करोड़ 4 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप लैपटॉप के लिये अंतरित की जा चुकी है।

विकसित भारत के लिए चिकित्सकों को अपनी सशक्त भूमिका का करना होगा निर्वहन: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

गांधी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक सम्मान कार्यक्रम में हुए शामिल,चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देनी वाली विभूतियों को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि डॉ. बीसी रॉय ने चिकित्सा सेवा को अपनी समर्पित सेवा से गौरवान्वित किया है। उन्हीं की स्मृति में राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस मनाया जाता है। चिकित्सकों की जन-कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका है। कोविड काल में हमने चिकित्सकों की समर्पित सेवा बहुत करीब से देखा है। किसान अन्नदाता हैं, डॉक्टर्स जीवनदाता हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता हैं। इस दिशा में सशक्त प्रयास चल रहे हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए स्वास्थ्य आधारभूत कड़ी है, इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए चिकित्सकों को अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन करना पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सक सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में एमबीबीएस और पीजी की सीट में वृद्धि की जा रही है। आगामी वर्षों में मध्यप्रदेश में 5 हज़ार एमबीबीएस सीट और 2500 पीजी सीट की वृद्धि की जा रही है। अधोसंरचना में सतत विस्तार हो रहा है। विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर भारत की इस राह में चिकित्सकों की भूमिका अहम है। उन्होंने चिकित्सा छात्रों से कहा शिक्षा के साथ संस्कार होना आवश्यक है। समाज में सुधार के लिए सभी के कल्याण के लिए हमें समर्पित होकर मानव सेवा करनी चाहिए। डॉक्टर्स से अपेक्षा है कि वह अपनी सामाजिक गरिमा अनुसार पूर्ण समर्पण से नागरिकों की सेवा करें। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार महत्वपूर्ण चुनौती है, आज आवश्यक है कि हम सभी ग्रामीण सेवा को प्राथमिकता दें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अंगदान से कई ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। यह न केवल एक प्रेरणादायक मानवीय कार्य है, बल्कि मृत्यु के बाद भी जीवन देने का माध्यम बनता है। एक व्यक्ति का अंगदान 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है। अंगदान के माध्यम से हम किसी के चेहरे की मुस्कान, किसी की दृष्टि, किसी की धड़कन और किसी का जीवन वापस लौटा सकते हैं। यह सेवा भाव का वह सर्वोच्च रूप है, जिससे समाज में करुणा और मानवता की ज्योति सदैव जलती रहेगी। उन्होंने कहा कि देहदान/अंगदान करने वाले देहदान अथवा हृदय, लिवर, गुर्दे जैसे महत्वपूर्ण अंगों का दान करने वाले नागरिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गणतंत्र एवं स्वतंत्रता दिवस पर ऐसे प्रेरणादायी नागरिकों के परिजनों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार विकास के आधार स्तंभ: शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास के सशक्त आधार हैं। उचित शिक्षा से कौशल विकास होता है, और कौशल ही रोजगार और आत्मनिर्भरता का मूल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व विकास के पथ पर अग्रसर है, और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव एवं सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट कॉनक्लेव से मध्यप्रदेश में देश-विदेश से निवेश आ रहा है। इससे रोजगारों का सृजन हो रहा है, और एमएसएमई, टेक्सटाइल, फार्मा, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन एवं कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश देश के अग्रणी विकसित होते राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल निजी मीडिया समूह न्यूज़ 18 के 'सुशिक्षा मध्यप्रदेश' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने न्यूज़ 18 के संपादक श्री सुधीर दीक्षित से चर्चा करते हुए उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और मैनपॉवर विकास की योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

संपतिया उइके मामले को लेकर कैबिनेट बैठक में हंगामा, ईएनसी को जारी किया नोटिस

भोपाल। 1000 करोड़ के कमीशन के आरोप में पीएचई मंत्री संपतिया उइके मामले को लेकर मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में खूब हंगामा मचा। मामले को लेकर सभी मंत्रियों ने मंत्री संपतिया उइके के खिलाफ जांच को लेकर विरोध जताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मंत्रियों के इस विरोध पर सहमति जताई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले में जांच के आदेश देते हुए यह भी कहा कि कोई अधीनस्थ अधिकारी कैसे मंत्री के खिलाफ जांच कर सकता है। सीएम ने मुख्य सचिव से भी पूछा कि यह मामला उनकी जानकारी में क्यों नहीं लाया गया। इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने मंत्री संपतिया उइके के खिलाफ जांच का आदेश देने के मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही इसमें आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त एक्शन की बात भी कही है।

प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पी. नरहरि ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता संजय अंधवान को अनुशासनहीनता का नोटिस जारी किया है।

ईएनसी ने खुद को बचाने ईई को जारी कर दिया नोटिस: इससे पहले मामले को गरमाता देखकर ईएनसी संजय अंधवान ने अपनी गरदन बचाने के लिए कार्यपालन यंत्री (ईई) मनोज अवस्थी को फाइल पुटअप करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि ईएनसी अंधवान ने ईई अवस्थी को नोटिस जारी कर खुद को बचाने की कोशिश की है।

ईएनसी ने जांच बैठाई, फिर खुद ही पलट गए: बता दें कि 1000 करोड़ के कमीशन का आरोप लगने के बाद ईएनसी ने इसके जांच के आदेश जारी कर दिए थे। इसके तहत प्रदेश के सभी मुख्य अभियंताओं और जल निगम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को 7 दिन में रिपोर्ट देने को कहा गया था। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत 30 हजार करोड़ के खर्च और मंडला जिले के एक इंजीनियर की संपत्तियों की भी जांच के निर्देश दिए गए थे। जब यह आदेश सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो विभाग ने तुरंत यू-टर्न ले लिया। प्रेस नोट जारी कर बताया गया कि मंत्री पर लगाए गए आरोप तथ्यहीन, आधारहीन और मनगढ़ंत हैं।

जीवन –परिचय

नाम	– श्री हेमंत कुमार खण्डेलवाल
मोबाईल नबंर	– 9425002539 / 8223002539
वर्तमान दायित्व	– विधायक–बैतूल, मध्यप्रदेश
जन्म तिथि	– 03 / 09 / 1964
जन्म स्थान	– मथुरा
पिता का नाम	– स्व. श्री विजय कुमार खण्डेलवाल
वैवाहिक स्थिति	– विवाहित
पत्नी	– श्रीमती ऋतु
संतान	– 1 पुत्र,1 पुत्री
शैक्षणिक योग्यता	– बी.कॉम, एलएलबी
व्यवसाय	– आटोमोबाईल एवं उद्य॰॰
अभिरूचि	– कृषि,डेयरी,एवं समाज सेवा
स्थाई	– सिविल लाईन,बैतूल गंज बैतूल जिला बैतूल म.प्र.460001
ई–मेल	– hv.khandelwal@mpvidhansabha.nic.in / hemantkhandelwal64@gmail.com

राजनैतिक जीवन :–

- बैतूल–हरदा लोकसभा उपचुनाव में सांसद निर्वाचित होकर राजनैतिक जीवन की शुरूआत ।
- वर्ष 2008 से 2009 तक लोकसभा सदस्य ।
- वर्ष 2010 से 2013 तक भाजपा जिलाध्यक्ष बैतूल ।
- वर्ष 2013 से 2018 तक बैतूल विधायक क्षेत्र 131 ।
- वर्ष 2014 से 2018 तक मध्यप्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष।
- वर्ष 2023 से विधायक बैतूल ।

संगठनात्मक दायित्व :–

- वर्ष 2019 संगठन चुनाव के प्रदेश चुनाव अधिकारी
- वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी दी
- वर्ष 2022 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 जिलो के 61 विधानसभा क्षेत्रो में प्रवासी कार्यकर्ता के प्रभारी का दायित्वों का निर्वहन किया ।
- वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव प्रदेश संयोजक के दायित्वों का निर्वहन किया ।
- कुशाभाऊ ठाकरे जन्म सताब्दी समारोह के सचिव रहे।
- वर्तमान में कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

पौधरोपण पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का संकल्प: मंत्री सिंह

लोक निर्माण विभाग ने एक दिन में लगाए 2 लाख से अधिक पौधे

भोपाल। हरित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने मंत्री श्री राकेश सिंह की अगुवाई में ऐतिहासिक पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस एक दिन में विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में 2 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कीर्तिमान स्थापित किया है, जो सतत विकास और हरियाली के प्रति विभाग की सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा की ÷पौधरोपण सिर्फ औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का हमारा दृढ़ संकल्प है।÷ उन्होंने कहा कि प्रारंभ में जहाँ 1 लाख पौधों का लक्ष्य रखा गया था, वहीं विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों की प्रतिबद्धता, समर्पण और उत्साह के चलते यह संख्या बढ़कर 2 लाख से अधिक पौधों तक पहुँच गई। यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि हरित मध्यप्रदेश की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक उपलब्धि है जो सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दर्शाती है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस पौधारोपण को वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ा गया है। प्रत्येक पौधे की सैटेलाइट मॉनिटरिंग की योजना बनाई गई है, जिसमें अहमदाबाद स्थित भास्कराचार्य संस्थान का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके माध्यम से पौधों की वृद्धि और संरक्षण की डिजिटल निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। यह वृक्षारोपण सड़क किनारे, विभागीय भवन परिसरों, तालाबों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ावा मिलेगा।0 मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हरित भारत' के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पर्यावरण-अनुकूल विकास के विजन ने मध्यप्रदेश में वृक्षारोपण और प्रकृति संरक्षण को एक जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, ऐसे समय में यह पहल प्रेरक उदाहरण बनेगी। उन्होंने आमजन, विभागीय अधिकारियों, अभियंताओं और उनके परिवारों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यशैली में प्राथमिकता दे रहा है।

शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने विशेष अभियान 15 जुलाई तक : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित कर वास्तविक हितग्राहियों को राशन वितरण करने के लिये हितग्राहियों की ई-केवायसी करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया है कि शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने तथा मृत तथा अपात्र एवं अस्तित्वहीन हितग्राहियों का मौके पर सत्यापन के बाद उनका नाम हटाने के लिये 1 से 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। गौरतलब है कि अभी तक कुल पात्र हितग्राही 5 करोड़ 32 लाख 42 हजार में से 4 करोड़ 75 लाख 66 हजार हितग्राहियों के ई-केवायसी किये जा चुके हैं। इनमें 2 लाख 36 हजार हिताग्राहियों के नाम विलोपित किये गये हैं। इनमें से 54 लाख 40 हजार की ई-केवायसी किया जाना शेष है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा में ई-केवायसी कराने के लिये जून माह में ई-केवायसी से शेष परिवारों को ई-केवायसी के बाद राशन वितरण की व्यवस्था की गई है। ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों का घर-घर जाकर सत्यापन करने के लिये वार्ड प्रभारी/पंचायत सचिव/रोजगार सहायक की ड्यूटी लगाने के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं। ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की सूची उचित मूल्य दुकान/ग्राम पंचायत/वार्ड कार्यालय पर चस्पा की जाएगी। मौके पर उपलब्ध एवं पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकान पर जाकर अथवा ÷मेरा राशन÷ एप पर फेस एथेंटिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी करने के लिये अवगत कराने और हितग्राही के आधार नंबर में दर्ज नाम, मोबाइल नंबर त्रुटिपूर्ण होने एवं बायोमेट्रिक डाटा अपडेट न होने पर आधार केम्प में जाकर डाटा अपडेट कराने के निर्देश दिये गये हैं। पात्र हितग्राही द्वारा उचित मूल्य दुकान पर ई-केवायसी कराने पर आगामी दिवस में पात्रतानुसार राशन प्राप्त किया जा सकेगा। कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये हैं कि ग्राम/वार्ड में सत्यापन के लिये नियत दिनांक की सूचना एक दिन पूर्व हितग्राहियों को विभिन्न माध्यमों से उपलब्ध कराई जाए। ई-केवायसी की मॉनीटरिंग के लिये अनुभाग एवं जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाए, जिसमें सत्यापन दल द्वारा प्रतिदिन की कार्यवाही की जानकारी ली जाए। साथ ही पात्र ई-केवायसी करने में आने वाली समस्याओं का निराकरण किया जाए। शेष हितग्राहियों के ई-केवायसी करने एवं अपात्र/मृत/स्थाई पलायन/दोहरे हितग्राहियों का विलोपन घर-घर जाकर सत्यापन अभियान के संबंध में स्थानीय जन-प्रतिनिधियों को भी अवगत कराया जाए। शेष हितग्राहियों के ई-केवायसी कराने का अभियान समाप्त होने तक भी ई-केवायसी नहीं होती है, तो यह समझा जाएगा कि या तो व्यक्ति अस्तित्व में नहीं है या फिर उसे राशन की आवश्यकता नहीं है।

3 किलोवॉट रूफटॉप सोलर लगाने पर 78 हजार की मिलेगी सब्सिडी: बैंस

प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एमपीयूवीएनएल) के एमडी अमनवीर सिंह बैंस ने कहा है कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर बेहतरीन कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रधानमत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलाने के लिये शासन प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाने पर शासन द्वारा 78 हजार रूपये की सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है। एमडी श्री बैंस ने जनता से अपील की है कि पीएम सूर्य घर पोर्टल पर अधिक से अधिक आवेदन करें। प्रदेश में लगभग 850 वेंडर इस कार्य में संलग्न किये गये हैं, आवेदक स्वयं उसमें से आप वेंडर का चयन कर सकते हैं। इस प्रकार प्रदेश के क्लीन एनर्जी (स्वच्छ ऊर्जा) के क्षेत्र में सहभागिता सुनिश्चित कर प्रदेश को अव्वल बनाने में अपना योगदान दें। एमडी श्री बैंस ने बताया कि मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और नॉलेज पार्टनर काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर ने साथ मिलकर मंगलवार को पीएम सूर्य घर– मुफ्त बिजली योजना के तहत मध्यप्रदेश में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिये कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मीडिया को राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने वाले प्रावधानों, इसमें मौजूद संभावनाओं और मध्यप्रदेश को सौर ऊर्जा संपन्न बनाने के प्रयासों की जानकारी दी गई।

एमडी श्री बैंस ने कार्यशाला में सौर ऊर्जा को लेकर सरकार के विजन, प्रदेश की सौर ऊर्जा नीति, पीएम सूर्य घर पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया और प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में स्व्क्ड्हरु

की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 卐पीएम सूर्य घर योजना के तहत आवासीय घरों की छतों पर सोलर लगाने का प्रावधान किया गया है। इसमें पहले दो किलोवॉट के लिए प्रति किलोवाट 30 हजार रुपये और तीसरे किलोवॉट के लिए 18 हजार रुपये सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इस तरह से तीन किलोवाट के रूफटॉप सोलर के लिए कुल 78 हजार रुपये की सब्सिडी उपलब्ध हैं।卐 पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर के लाभों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 卐इस योजना के बहुत सारे लाभ हैं। इस प्रोजेक्ट से ग्रिड पर उपभोक्ता की निर्भरता कम होती है। इससे दिन के समय उपभोक्ता के इस्तेमाल के लिए सस्ती बिजली उपलब्ध होती है। छतों पर सोलर सिस्टम को लगाने में उपभोक्ताओं की जितनी राशि व्यय होती है, वह पांच से छह वर्ष में रिकवर हो जाएगी। उसके बाद सोलर सिस्टम से बाकी समय में बिजली की बचत के माध्यम से लाभ होगा। इन तीन लाभों के अलावा एक नागरिक होने के नाते उपभोक्ता एक स्वच्छ पर्यावरण, एक क्लीन सस्टेनेबल इको सिस्टम के लिए योगदान कर पाएंगे। एमडी श्री बैंस ने बताया कि मध्यप्रदेश अक्षय ऊर्जा नीति 2025 के तहत 2030 तक प्रदेश की कुल बिजली खपत में अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसमें राज्य सरकार के हरित ऊर्जा अनुपालन वाले विभागों, मॉडल अक्षय ऊर्जा शहरों और हरित क्षेत्रों के लिए चरणबद्ध विकास का लक्ष्य रखा गया है, जो 2024 में 20 प्रतिशत, 2027 में 50 प्रतिशत और 2030 में 100 प्रतिशत है।

संपादकीय

इस वर्ष सामान्य से अधिक होगी बारिश, आ गया मानसून

मौसम की अपनी गति होती है। बरसात के साथ गर्मी या ठंड के अनुमानित समय में थोड़ा आगे-पीछे होना एक प्राकृतिक चक्र रहा है। इस वर्ष मानसून के बारे में अनुमान लगाया जा रहा था कि इसका आगमन समय से थोड़ा पहले हो सकता है। अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है कि इस वर्ष रविवार को मानसून पूरे देश में अनुमान के मुकाबले नौ दिन पहले आ गया है। सन 2020 के बाद यह पहला मौका है, जब मानसून पूरे देश में इतनी जल्दी आ गया। इससे पहले इस बार भारत के दक्षिणी छोर पर केरल तक मानसून दस दिन पहले ही पहुंच गया था। हालांकि कुछ दिनों पहले से दिल्ली और देश के कुछ अन्य हिस्सों में घने बादल छा रहे थे, लेकिन बारिश न होने की वजह से मौसम में नमी और गरमी ने लोगों को थोड़ा परेशान कर दिया था। लेकिन दो दिन देरी से सही, दिल्ली के कई इलाकों में खासी बारिश होने के बाद आइएमडी ने रविवार को मानसून के आगमन की घोषणा की। इसके साथ ही तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो इस वर्ष बारिश सामान्य से अधिक होगी। अपनी जरूरतों के लिए मानसून पर निर्भर देश के ज्यादातर इलाकों में बरसात पूर्वानुमानों के मुताबिक ही हो सकती है। जाहिर है, देश के जिन राज्यों में कृषि आमतौर पर बारिश के मौसम पर निर्भर है, उन इलाकों में भरपूर बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि भारत में साठ फीसद से ज्यादा खेती मानसून पर निर्भर है। धान, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर जैसी खरीफ की फसलें दक्षिण-पश्चिम मानसून पर ही निर्भर रहती हैं। अब मानसून के जल्दी आने से फसलों की बुआई भी थोड़ा पहले होने की उम्मीद की जा सकती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि खरीफ की फसलें देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन के पचपन फीसद के बराबर हैं। इसके अलावा, लौटता मानसून भी गेहूं, चना, मटर, जौ वगैरह रबी फसलों के लिए काफी अहम होता है। यानी देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से मानसून और इस वर्ष इसके नौ दिन पहले आने की अहमियत को समझा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

इंसान की इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से कोई भी कार्य असंभव नहीं

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि योग में इतनी शक्ति है जो व्यक्ति के अंदर अंतरज्योत जला कर इच्छा शक्ति और संकल्पों को पूरा करने में एवं बुराइयों का अंत करने में मदद करती है , मानव जीवन जल, वायु तथा मिट्टी पर आधारित है और ये तीनों मिलकर जीवन के लिए संपूर्ण पारिस्थितिकी - तंत्र का निर्माण करते है, किंतु मानव के लिए, किसी भी कीमत पर सफलता अर्जित करना ही एकमात्र उद्देश्य बन गया है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह जीवन के आधारभूत मूल तत्वों से खिलवाड़ करने लगा है, जिसके परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे तत्वों का प्रवेश हो गया है, जो एक दिन मानव जीवन को ही नष्ट कर देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि अधिक से अधिक कपड़ो के थैले या बैग का उपयोग एवं प्लास्टिक बैग को ना का संकल्प ही इस समस्या का सरल उपाय होगा।

अपनी विविध विशेषताओं के कारण प्लास्टिक आधुनिक युग का अत्यंत महत्वपूर्ण पदार्थ बन गया है। टिकाऊपन, मनभावन रंगों में उपलब्धता और विविध आकार- प्रकारों में मिलने के कारण प्लास्टिक का प्रयोग आज जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है। बाजार में खरीदारी के लिए रंग-बिरंगें कैरी बैग से लेकर रसोईघर के बर्तन, कृषि के उपकरण, परिवहन वाहन, जल-वितरण, भवन, रक्षा उपकरण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सहित अनेक क्षेत्रों में आज प्लास्टिक का बोलबाला है। यही नहीं वैज्ञानिकों ने मनुष्य का जो कृत्रिम हृदय बनाया है, वह भी प्लास्टिक से ही बनाया गया है।

तमाम खूबियों वाला यही प्लास्टिक जब उपयोग के बाद फेंक दिया जाता है तो यह अन्य कचरों की तरह आसानी के नष्ट नहीं होता। एक लंबे समय तक अपघटित न होने के कारण यह लगातार एकत्रित होता जाता है और अनेक समस्याओं को जन्म देता है। जिन देशों में जितना अधिक प्लास्टिक का उपयोग होता है, वहां समस्या उतनी ही जटिल है। चिंता की बात तो यह है कि प्लास्टिक का उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। जबकि पिछले वर्षों में जो प्लास्टिक कचरे में फेंका गया, वह ज्यों-का-त्यों धरती पर यत्र-तत्र बिखरकर प्रदूषण फैला रहा है। प्लास्टिक की वस्तुओं में अनेक टूटे - फूटे बर्तन एवं घरेलू उपकरण होते हैं। कुछ दशकों पूर्व तक शहरों से निकलने वाले कूड़े में प्लास्टिक बहुत कम होता था। कूड़े में अधिकांश कार्बनिक पदार्थ ही हुआ करते थे, जो जल्दी ही नष्ट हो जाते थे या खाद के रूप में बदल जाते थे।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि कैसे प्लास्टिक मानव जीवन के लिए हानिकारक है, प्लास्टिक मुख्यतः पैट्रोलियम पदार्थों से निकलने वाले कृत्रिम रेजिन से बनाया जाता है। रेजिन में अमोनिया एवं बेंजीन को मिलाकर प्लास्टिक के मोनोमर बनाए जाते हैं। इसमें क्लोरीन, फ्लुओरिन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं सल्फर के अणु होते हैं। लंबे समय तक अपघटित न होने के अलावा भी प्लास्टिक अनेक अन्य प्रभाव छोड़ता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। उदाहरणस्वरूप पाइपों, खिड़कियों और दरवाजों के निर्माण में प्रयुक्त पी.वी.सी. प्लास्टिक विनाइल क्लोराइड के बहुलकीकरण सें बनाया जाता है। रसायन मस्तिष्क एवं यकृत में कैंसर पैदा कर सकता है। मशीनों की पैकिंग बनाने के लिए अत्यंत कठोर पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक फॉस्जीन बिसफीनॉल यौगिकों के बहुलीकरण से प्राप्त किए जाते हैं। इनमें एक अवयव फॉस्जीन अत्यंत विषैली व दमघोटू गैस है। फार्मेल्डीहाइड अनेक प्रकार के प्लास्टिक के निर्माण में प्रयुक्त होता है। यह रसायन त्वचा पर दाने उत्पन्न कर सकता है। कई दिनों तक इसके संपर्क में बने रहने से दमा तथा सांस संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। प्लास्टिक में लचीलापन पैदा करने के लिए प्लास्टिक-साइजर वर्ग के कार्बनिक यौगिक मिलाए जाते हैं। थैलट, एसीसेट, इस्टर तथा कई प्रकार के पॉलिथीलीन ग्यायकान यौगिक कैंसरकारी होते हैं। प्लास्टिक में मिले हुए ये जहरीले पदार्थ प्लास्टिक के निर्माण के समय प्रयोग किए जाते हैं। तैयार (ठोस) प्लास्टिक के बर्तनों में यदि लंबे समय तक खाद्य सामग्री रखी रहे या शरीर की त्वचा लंबे समय तक प्लास्टिक के संपर्क में रहे तो प्लास्टिक के जहरीले रसायनों का असर हो सकता है। इसी प्रकार जो प्लास्टिक कचरे में फेंक दिया जाता है, उसका कचरे में लंबे समय तक पड़ा रहना वातावरण में अनेक विषैले प्रभाव छोड़ सकता है। प्लास्टिक कचरे को ठिकाने लगाने के लिए अब तक तीन उपाय अपनाए जाते रहे हैं। आमतौर पर प्लास्टिक के न सड़ने की प्रवृति को देखते हुए इसे गड्ढों में भर दिया जाता है। दूसरे उपाय के रूप में इसे जलाया जाता है, लेकिन यह तरीका बहुत प्रदूषणकारी है। प्लास्टिक जलाने से आमतौर पर कार्बन डाइऑक्साइड गैस नकलती है। प्लास्टिक के निपटान का तीसरा और सर्वाधिक चर्चित तरीका प्लास्टिक का पुनःचक्रण है। पुनःचक्रण का मतलब प्लास्टिक अपशिष्ट से पुनः प्लास्टिक प्राप्त करके प्लास्टिक की नई चीजें बनाना। प्लास्टिक के पुनःचक्रण का काम महंगा होने से बहुत कम किया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि संकल्प शक्ति क्या है और इसे कैसे उपयोग में लाया जाता है ? संकल्प याने दृढ़ निश्चय या प्रतिज्ञा जिसे मन में किया जाता है। मन इच्छाओं की तरंगों, तूफानों, और बवंडरों से परिपूर्ण है। मनुष्य के मन में से ये हमेशा गुजरते हैं। ये इतने अधिक हैं कि उनका हिसाब लगा पाना भी संभव नहीं है। तुम जीवन भर इच्छा ही करते रहोगे तो एक क्षण ऐसा भी आयेगा, जब तुम्हें अनुभव होगा कि इच्छाएँ कभी भी पूर्ण नहीं की जा सकतीं। इससे यह सिद्ध होता है कि हमारा मन बहुत कमजोर है, दुर्बल है। तब या तो मनुष्य इच्छा न करे और इच्छा करता है तो उसकी पूर्ति करने की क्षमता उसमें होनी चाहिए। दोनों ही मार्ग मुश्किल हैं और संभव नहीं है। मन इच्छाओं से रहित होगा नहीं और हर इच्छा की पूर्ति हम कर नहीं सकते। इससे क्या पता चलता है ? इसका मतलब है कि मन कमजोर है, इच्छा शक्ति क्षीण है और लक्ष्य गलत है। इसलिए योग में संकल्प की एक युक्ति है।

संकल्प इच्छा करना नहीं है; वह तो केन्द्रीभूत या दृढ़ निश्चय है। एक, दो या कुछ इच्छाओं को पूरा करना संकल्प का उद्देश्य नहीं है। मन के अन्दर शक्ति जगाना ही उसका लक्ष्य है। हम यह भी कह सकते हैं कि इच्छा का बल ही संकल्प है। संकल्प एक विचार या धारणा है जो बीज की तरह है और जिसे हम अपने मन की क्यारी में बो देते हैं। मन निर्मल हो, साफ हो तो वह भली-भाँति स्थापित होता है। घास वगैरह की निराई करके क्यारी को ठीक से तैयारी करके उसमें खाद या उर्वरक डालें और उसके पश्चात् बीज को बोयें, तो वह अवश्य अंकुरित होगा और एक स्वस्थ मजबूत पौधा बनेगा। तुम योगनिद्रा के अभ्यास में आरंभ और अंत में संकल्प को दोहराते हो। यह हुआ संकल्प का पोषण। ठीक समय आने पर जब संकल्प जाग्रत होकर शक्तिशाली बनता है, तब तो तुम्हारी अनेक व्यक्तिगत इच्छाओं की पूर्ति होने लगती है। केवल आध्यात्मिक जीवन में ही नहीं; अपितु तुम्हारे समग्र जीवन में। इच्छा कैसे करना, यह जान लेना ही पर्याप्त नहीं है। इन इच्छाओं को पूर्ण करने की शक्ति प्राप्त करना भी आवश्यक है। अन्ततोगत्वा संकल्प हमारे जीवन में संचालक शक्ति बन जाता है। जब निर्देशक अपने ही अन्दर मिल जाये, तब यह मानव-जीवन सफल फलदायक और समृद्ध हो जाता है। संकल्प हमारे जीवन को दिशा प्रदान करता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया संकल्प को प्रतिपादित कैसे किया जाये ? संकल्प मनुष्य के पास बहुत बलवान साधन है। हमें संकल्प का प्रयोग तब करना चाहिए जब उसका आशय और अर्थ हम समझ लें। आरंभ में अधिक लोग नहीं समझते कि संकल्प क्या है और कौन सा संकल्प उन्हें लेना चाहिए। अतः इस विषय में जानकारी हो जाने तक उन्हें प्रतीक्षा करनी चाहिए। बुद्धिमतापूर्वक उपयोग करने से संकल्प तुम्हारे सम्पूर्ण जीवन के लिए दिशाबोध देगा। वैसे तो धूम्रपान या मद्यपान की आदत का परित्याग करने के लिए भी लोग संकल्प करते हैं; मगर वास्तव में यह संकल्प का दुरुपयोग हुआ। यह तो बन्दूक से मच्छर मारने जैसा है। संकल्प का उद्देश्य है-सम्पूर्ण जीवनचर्या को प्रभावित करना व रूपान्तरित करना; मात्र शरीर को नहीं; बल्कि मन, भावना और आध्यात्मिक शक्तियों को भी जगा देना। उसके पश्चात् यदि तुम भारी शराबी अथवा धूम्रपान के आदी भी हो तो भी उन्हें स्वाभाविक रूप से ही त्याग दोगे। जब संकल्प जीवन की संचालिका-शक्ति बन जाता है तो जीवन शक्तिशाली हो जाता है।

संकल्प-शक्ति में वृद्धि कैसे करें? एकाग्रता, सकारात्मक विचार शैली, नियमित जीवन और प्रयोजन शुद्धता-इनसे इच्छा-शक्ति में वृद्धि होगी।

प्रामाणिक दस्तावेज मान्य क्यों नहीं ?

राकेश दुबे

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमआईएम नेता-सांसद ओवैसी के आरोप हैं कि भारत सरकार चोरी-छिपे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करना चाहती है, नतीजतन मुसलमानों की एक अवांछित आबादी की नागरिकता रद्द की जा सकेगी।

ममता बनर्जी ने बंगाल में एनआरसी लागू नहीं करने की घोषणा भी की है। नागरिकता का यह विवादित मुद्दा पुराना है। सर्वोच्च अदालत की निगरानी में असम और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य राज्यों में, प्रयोग के स्तर पर, एनआरसी की कवायद की गई थी। दरअसल यह न तो असंवैधानिक अभियान है और न ही मुसलमानों की नागरिकता रद्द की जा रही है। किसी भी सरकार को नागरिकता छीनने का अधिकार नहीं है। यह सर्वोच्च अदालत के स्तर पर कई बार दोहराया जा चुका है। गौरतलब यह भी है कि भारत सरकार ने एनआरसी का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। फिलहाल जनगणना और जातीय गणना के विराट अभियान सामने हैं, जिन्हें मार्च-अप्रैल, 2027 तक पूरा करने के लक्ष्य तय किए गए हैं। वैसे एनआरसी जनगणना का ही एक प्रारूप है। यदि जनगणना पर आपत्ति नहीं है, तो एनआरसी पर चीखा-चिल्ली क्यों मचाई जा रही है? दरअसल हमारा विषय यह है कि एक औसत भारतीय की 'नागरिकता' के तय मानक क्या हैं? यह देश अधिकतर गांवों, पिछड़े इलाकों और बाढ़-बारिश से ग्रस्त क्षेत्रों में बसने को बाध्य है।

'नागरिकता' के लिए कई दस्तावेज अपेक्षित हैं, जिन्हें पेश करना मुश्किल है। उन संदर्भों में अहम सवाल है कि 'आधार कार्ड' नागरिकता का पात्र,मानक आधार क्यों नहीं है? जनवरी, 2009 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' का गठन किया था और 'इंफोसिस' के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया गया था। 'आधार कार्ड' सितंबर, 2010 में लागू हो गया। आज देश के 125 करोड़ से अधिक लोगों के पास आधार कार्ड है। उसमें नाम, पिता का नाम, जन्म-तिथि, पता और व्यक्ति के बॉयोमीट्रिक चिह्न आदि सब कुछ दर्ज हैं।

प्राधिकरण के नाम में भी 'पहचान' शब्द जुड़ा है। आज आयकर रिटर्न, बैंक खाते के संचालन, सरकार की विशेष सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का लाभ, बच्चों का स्कूल में दाखिला, म्यूचुअल फंड्स अथवा शेयर बाजार में निवेश करने, सिम कार्ड खरीदने, नौकरी में प्रवेश करते समय 'आधार कार्ड' का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य है। सरकार ने 'पैन कार्ड' और बैंक खातों को आधार से अनिवार्य तौर पर लिंक करा दिया है। अब 'मतदाता पहचान पत्र' को भी आधार कार्ड से जोडने पर विचार किया जा रहा है। यदि आधार कार्ड इतना महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज है, तो उसके आधार पर किसी की नागरिकता तय करने में क्या दुविधा है? 'मतदाता कार्ड' भी अत्यंत मौलिक, साक्ष्य वाला दस्तावेज है। उसे नागरिकता का आधार मानक क्यों नहीं माना गया है? सरकार दलीलें देती रही है कि आधार कार्ड और मतदाता कार्ड एक निश्चित गिरोह द्वारा फर्जी बनाए जाते रहे हैं। यह सरकार की ही नाकामी है। फर्जी और नकली तो पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड भी बन रहे हैं। नकली पहचान बना कर आतंकवादी संसद भवन में घुस गए थे। सरकार इन नकलबाजों को क्यों नहीं रोक पाई है? यह सरकार के लिए गंभीर चुनौती भी है।

देश में करोड़ों घुसपैठिया बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान व्याप्त हैं, दशकों से सक्रिय हैं, उनके पास फर्जी कार्ड भी होंगे, वे वोट बैंक भी हैं, कमोबेश भाजपा-एनडीए सरकार उन्हें देश से बाहर क्यों नहीं कर पाई? बहरहाल किस्तों में ये अभियान जरूर दिखाई देते हैं। सरकार ने जिन दस्तावेजों को नागरिकता के आधार के तौर पर स्वीकार किया है, वे प्रवासी नौकरी-मजदूरी करने वालों के लिए मुश्किल हो सकते हैं। जन्म प्रमाणपत्र स्कूल-कॉलेज तक तो मिल सकते हैं, उसके बाद कामकाजी जिंदगी शुरू होती है,

हिन्दू राष्ट्र का ढोल और जातिवाद का आतंक

निर्मल रानी

स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा गत एक दशक से देश के बहुसंख्यक समाज को भारत को %हिन्दू राष्ट्र % बनाने का सपना दिखाया जा रहा है। देश के अनेक दक्षिणपंथी नेताओं से लेकर तमाम कथावाचक व संत समाज से जुड़े लोग इसी %प्रोपेगण्डे % को प्रचारित करने में जुटे हुये हैं। इसी हिन्दू राष्ट्र की दुहाई देकर समाज में धर्म के आधार पर नफ़रत फैलाई जा रही है। सत्ता संरक्षित नफ़रती लोग धर्म विशेष के विरुद्ध जमकर ज़हर उगल रहे हैं और इसी बहाने देश के बहुसंख्य समाज को हिंदुत्व के नाम पर संगठित होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिस देश में सभी धर्मों के लोग सदियों से मिलकर रहते आ रहे हों उस देश के बहुसंख्य समाज को अब अल्पसंख्यक समाज का भय दिखाकर शेष बहुसंख्य समाज को एकजुट होने का पाठ केवल और केवल अपने राजनैतिक लाभ के लिए पढ़ाया जा रहा है। और इन्हीं दक्षिणपंथी शक्तियों द्वारा इसी हिन्दू राष्ट्रवाद के नाम पर छेड़ी गयी मुहिम के मध्य, देश के उस संविधान को भी बदलने का प्रयास किया जा रहा है जो भारतवसियों को समानता,समरसता,समाजवाद व धर्मनिरपेक्षता का अधिकार देता है। साथ ही इन्हीं स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा विवादित मनुस्मृति को भातीय संविधान के रूप में थोपे जाने की वकालत भी की जा रही है। यह शक्तियां उसी मनुस्मृति को देश पर थोपने के लिये प्रयासरत हैं जिसे संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने 25 दिसंबर 1927 को महाराष्ट्र के महाड में सार्वजनिक रूप से जलाया था। मनुस्मृति का विरोध करने वाले लोग आज भी उस ऐतिहासिक दिन को %मनुस्मृति दहन दिवस% के रूप में याद करते हैं। डॉ अंबेडकर ने मनु स्मृति का दहन इसलिये किया था क्योंकि यह ग्रंथ सामाजिक असमानता और जाति व्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाली शिक्षाओं को बढ़ावा देता है । जबकि मनु स्मृति का विरोध व इसके दहन का उद्देश्य दलितों और शोषित वर्गों के लिए समानता और न्याय की मांग को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करना था।

सवाल यह है कि दक्षिणपंथियों द्वारा जिस मनुस्मृति की पैरवी की जा रही है क्या वह हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा दिखाये जा रहे हिन्दू राष्ट्र निर्माण के स्वप्न को पूरा करने में सहायक साबित हो सकती है ? यदि हाँ तो पहला सवाल तो यही की बाबा साहब जैसी शख़्सियत को इसे जलाने की नौबत ही क्यों आई ? और दूसरे यह कि आख़िर हिन्दू धर्म में वह कौन सी व्यवस्था थी जिसका विरोध करते हुये डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में एक ऐतिहासिक धर्म परिवर्तन समारोह में बौद्ध धर्म स्वीकार किया। और इस सामूहिक धर्म परिवर्तन समारोह में डॉ. आंबेडकर के साथ उनके लगभग 3,80,000 अनुयायियों ने जिनमें मुख्य रूप से दलित समुदाय के लोग शामिल थे, बौद्ध धर्म स्वीकार किया। आज भी इस सामूहिक धर्म परिवर्तन को भारत में सामाजिक समानता और दलित आंदोलन का एक महत्वपूर्ण क़दम माना जाता है।

दलितों के साथ तो ऐसी घटनाएं गोया आम बात हो चुकी हैं। पिछले दिनों ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना उड़ीसा में हुई जहाँ गोतस्करी का आरोप लगाकर कुछ जातिवादी गुंडों द्वारा पहले तो उनसे पैसे वसूलने की कोशिश की गयी। जब दलित युवक पैसे देने में असमर्थ हुये तो उन दोनों युवाओं को 2 किलोमीटर तक घुटने के बल चलने के लिये मजबूर किया गया। इनके सर के बाल भद्दे तरीक़े से काटे गये उन्हें मारा पीटा गया ,उनके कपड़े फाड़े गये, उन्हें घास फूस खिलाई गयी। इतना ही नहीं बल्कि उन्हें नाले का गन्दा पानी पीने के लिए भी मजबूर किया गया। इस तरह की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

और इससे भी बड़ी हास्यास्पद बात यह है कि यह शक्तियां अपनी कुरीतियां छुपाने के लिये अपने धर्म ग्रंथों व संहिताओं का ज़िक्र करने के बजाये मुग़लों का नाम लेने लग जाती हैं। यानी एक ओर तो यह हिन्दू धर्म व संस्कृति को विश्व का सबसे प्राचीन धर्म बताते हैं जिसमे वर्ण व्यवस्था का ज़िक्र और इस व्यवस्था का महिमामंडन जगह जगह किया गया है दूसरी ओर मात्र 1400 वर्ष पुराने इस्लाम धर्म पर अपनी जातिवादी व्यवस्था का ठीकरा फोड़ने की कोशिश करते हैं। दरअसल स्वयंभू उच्च जाति वालों की यह एक सोची समझी रणनीति है जिसके तहत यह लोग हिन्दू राष्ट्र का ढोल पीटते रहते हैं इसी बहाने हिन्दू समाज को एकजुट कर इनका राजनैतिक लाभ उठाने की भी कोशिश करते हैं। परन्तु इनके ग्रन्थ व संस्कार इन्हें जातिवाद का आतंक फैलाने से रोक नहीं पाते।

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फ़टकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नज़र आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए

एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज़ क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को माफ़ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमज़ोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।'

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जनसुनवाई में तत्काल बना आधार

सिवनी- कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता की अध्यक्षता में घंसौर विकासखंड में आयोजित जनसुनवाई में अपनी नातिन का आधार न होने जारी करने ही समस्या लेकर पहुँची ग्राम खैरीकला निवासी वृद्धा श्रीमती छोटीबाई यादव की समस्या का मौके पर निराकरण हुआ। नातिन अनामिका यादव के माता- पिता उपलब्ध न हो जाने से आवेदिका छोटीबाई ही अनामिका का लालन- पालन कर रही है। इस दौरान अभिभावक न होने से अनामिका का आधार नही बन पा रहा था। जिसके कारण स्कूल में प्रवेश एवं अन्य योजनाओं का लाभ लेने में समस्या आ रही थी। आवेदिका छोटीबाई द्वारा जनसुनवाई में अपनी समस्या से अवगत कराने पर कलेक्टर सुश्री जैन के निर्देश पर अनामिका का आधार जनसुनवाई में तत्काल बनाकर जारी किया गया।आवेदिका छोटीबाई प्रसन्नचित होकर जनसुनवाई से अपने घर की ओर लौटी।

रेनकोट नहीं मिलने से नगर परिषद कर्मचारी परेशान

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)–नगर परिषद द्वारा अपने कर्मचारियों को रेनकोट नहीं उपलब्ध कराने के कारण कर्मचारी भरी बरसात मैं गीले होकर नगर की साफ सफाई व्यवस्था में लगे रहते है नगर परिषद में कार्यरत महिलाएं भी बरसात में भीग कर अपना कार्य कर रही है लेकिन नगर परिषद का इस और कोई ध्यान नहीं है नगर के सफाई दरोगा भी गीले होकर नगर की सफाई व्यवस्था में लगे हुए वहीं परिषद के एक कर्मचारी ने हमें बताया कि 2 दिन से रोज में गीला हो रहा हूं मेरी तबीयत भी खराब है लेकिन परिषद द्वारा हमें रेनकोट अभी उपलब्ध नहीं कराए गए द्य

इनका कहना है

आपके द्वारा हमें पता चला है शीघ्र ही हम चर्चा करके कर्मचारियों को रेनकोट उपलब्ध करएंगे (नगर परिषद सीएमओ किरण मैडम)

पंचतत्व ने किया पौधों का रोपण

गंज बासौदा। स्थानीय शासकीय एकीकृत उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पंचतत्व संरक्षण समिति ने कदम ओर अशोक के पौधों का रोपण स्कूल के बच्चों ओर प्रधानाध्यापक अनिल दुबे के साथ किया जिनमें पानी देने का संकल्प स्कूल के स्टाफ ने लिया पौधे पंचतत्व ने उपलब्ध कराए और उनकी सुरक्षा के आयरन ट्री गार्ड विद्यालय ने दिए , इस समय स्कूल प्रधानाध्यापक अनिल दुबे, मधुर श्रीवास्तव, नेतराम मिश्रा श्रीमती रुचिता यादव ,मनोज भार्गव पंचतत्व समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, रणवीर सिंह , बृजेंद्र दांगी भगत सिंह एवं छात्र उपस्थित थे

मूंग उपार्जन के लिए 3.51 लाख मैट्रिक टन और उड़द उपार्जन के लिए 1.23 लाख मैट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित

भोपाल। ÷मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 1 जुलाई मंगलवार को सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में अहम कैबिनेट बैठक सम्पन्न हुई है, जिसमें ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन, क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भोपाल में स्थापित किए जाने समेत कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया है कि एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान 1 जुलाई से 15 सितंबर तक चलाया जाएगा। 7 जुलाई से 6 अगस्त तक मूंग और उड़द का उपार्जन किया जाएगा। 4 जुलाई को मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए जाएंगे

प्रत्येक विधानसभा के एक ऐसे ग्राम का चयन किया जाएगा जिसकी वर्तमान जनसंख्या न्यूनतम 2000 हो एवं गौ-वंश की न्यूनतम संख्या 500 हो।

ये ग्राम आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के अन्य ग्रामों के समक्ष विकास का आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस योजना के अंतर्गत गौ-पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना विकास, स्वरोजगार सहित ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किये जाने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के उद्देश्यों में गौपालन एवं डेयरी विकास को बढ़ावा देना। ग्राम को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ सहकारिता के माध्यम से दुग्ध व्यवसाय का प्रसार करना, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके। पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण तथा सौर ऊर्जा संबंधी गतिविधियों को जनभागीदारी से क्रियान्वित करना, चारागाह विकास, ग्राम में अधोसंरचना विकास, ग्रामीण परिवारों का रोजगार/स्वरोजगार आधारित आर्थिक सुदृढ़ीकरण और ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों को अपनाते हुए सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

चयनित वृन्दावन ग्राम में विभिन्न विभागों के माध्यम से जो सुविधाएं उपलब्ध करायी जाना है, वे 6 श्रेणियों में होगी। चयनित वृन्दावन ग्राम में अधोसरंचना के लिए गौशाला, ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, आँगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल भवन,

यात्री प्रतीक्षालय, सोलर स्ट्रीट लाइट, पुस्तकालय, सर्वसुविधायुक्त आजिविका भवन/ग्रामीण आजीविका के लिए वर्कशेड, पशु चिकित्सालय, ग्राम तक कनेक्टिविटी, ग्राम के अंतर्गत आंतरिक सड़कें/नाली, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान एवं गोडाउन, हर घर जल (सोलर उर्जा आधारित पम्प के माध्यम से), ग्रामीण उद्योग आधारित आर्ट एण्ड क्राफ्ट सेंटर, बायोगैस सयंत्र, शांतिधाम निर्माण, गौ-समाधि स्थल, सेग्रीगेशन शेड, जल निकासी के लिए नाली, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, ग्राम में विद्युत प्रवाह के लिए सौर उर्जा एवं गैर परम्परागत उर्जा क्षेत्र में विकास, पात्र परिवारों के लिये जलवायु अनुकूल आवास तथा (व्यक्तिगत शौचालय), सार्वजनिक उद्यान (पार्क),सार्वजनिक शौचालय, सिंचाई स्रोत विकास एवं ड्रिप एरीगेशन की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।आजीविका संबंधी गतिविधियों में नंदन फलोद्यान, पोषण वाटिका, दुग्ध कलेक्शन सेंटर, लघु वनोपज आधारित लघु उद्योग, कृषि/फल उपज आधारित उद्योग, ग्राम में उपलब्ध कौशल आधारित सेवाओं के विकास की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

वाटर कनजर्वेशन संबंधी जल संचयन संरचनाएं, रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग, नलकूप रिचार्ज, डगवेल रिचार्ज, स्टॉप डेम/चेकडेम, तालाबों का संरक्षण इसी प्रकार पंचायत सशक्तिकरण संबंधी में स्वयं की आय के स्रोत का विकास तथा ई-पंचायत /ष्टस्ष्की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।विशेष लक्ष्य में प्राकृतिक कृषि, धार्मिक स्थलों / भूमियों का संरक्षण, घर से कचरा उठाने स्वच्छता वाहन, ग्रे वाटरमैनेजमेंट, मल-कीचड प्रबंधन, राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करना, शत प्रतिशत समग्र ईकेवाइसी, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम-स्टे, ग्राम के आर्ट एवं क्राफ्ट को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्प कला केन्द्र, ग्राम की शालाओं/आंगनबाडियों में अध्यनरत बच्चों के लिये पौष्टिक भोजन, अतिक्रमण मुक्त ग्राम तथा ग्राम की स्थानिक योजना की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृतिः मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य मद अंतर्गत क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण की योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक 1766 पुलों के पुनर्निर्माण के लिए 4 हजार 572 करोड़ रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण किया जाकर बारहमासी संपर्क सुविधा प्रदान की जायेगी। योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनीटिरिंग के लिए मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति को समुचित निर्णय लिये जाने के लिए अधिकृत किये जाने की स्वीकृति दी गयी।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना भोपाल में करने की सैद्धातिक स्वीकृतिः मंत्रि-परिषद द्वारा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गाँधीनगर के परिसर (ष्टड्डद्वश्चह्वह्य) की स्थापना भोपाल में किए जाने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की स्थापना के लिए तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष एक करोड़ 5 लाख रूपये की राशि प्रदान की जायेगी।

भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल परिसर में उपलब्ध भूमि में से 10 एकड़ भूमि को विभाग स्तर से हस्तांतरित किया जायेगा।

एक बगिया मां के नाम प्रदेश में

एक बगिया मां के नाम से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा।

एक पेड़ मां के नाम÷ प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। 1 जुलाई से 15 सितंबर तक ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे।

मूंग उड़द उपार्जन-छात्रों को लैपटॉपः केन्द्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मूंग उपार्जन के लिए 3.51 लाख मैट्रिक टन और उड़द उपार्जन के लिए 1.23 लाख मैट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मूंग के लिए 30 जून तक 2 लाख 94 हजार किसानों ने तथा उड़द के लिए 11 हजार 495 किसानों का पंजीयन हो चुका है। पंजीयन के लिए 6 जुलाई तक अंतिम तिथि निर्धारित है। प्रदेशभर में मूंग और उड़द का उपार्जन 7 जुलाई से 6 अगस्त तक किया जाएगा। 4 जुलाई को प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए जाएंगे।

नव गठित जिलों में संयोजक कार्यालयों की स्थापना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत तीन नव गठित जिलों में जिला संयोजक जनजातीय तथा अनुसूचित जाति जिला कार्यालयों की स्थापना की स्वीकृति दी गई। इसमें मऊगंज के लिए 16 पद, मैहर के लिए 18 पद तथा पांढुर्णा के लिए 14 पद कुल 48 नवीन पदों का सृजन और 381.30 लाख रूपये वार्षिक अतिरिक्त वितीय व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है।

शवदाह गृह की स्वीकृत राशि का नहीं हुआ उपयोग

जनसुनवाई में अनेक बार शिकायत के बाद नहीं हुई कार्यवाही

सिवनी। गोपालगंज ग्राम पंचायत में शव गृह के लिए स्वीकृत की गई 2.50 लाख रूपये की राशि का लंबा समय बीत जाने के बाद भी उपयोग ना होने को लेकर ग्राम राजकुमार बामनिया ने जन सुनवाई इस संबंध में शिकायत कर जांच की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि कार्यालय कलेक्टर (पंचायत) जिला सिवनी के पत्र क्रमांक 3172/15 वीं वित्त/जिला पंचायत/2023 दिनांक 4 अक्टूबर 23 के अनुसार कार्यवाही वितरण में पारित आदेश गोपालगंज शवदाह गृह निर्माण कार्य हेतु 2,50,000/- रूपये प्राप्त होने उपरांत तथा शिकायतकर्ता द्वारा विगत दिनांक 17 जून को जनसुनवाई में आवेदन दिये जाने उपरांत आज दिनांक तक कोई कार्यवाही ना होने को लेकर पुन÷ शासन ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है।

गौरतलब है कि 15 वें वित्त आयोग के क्रियान्वयन हेतु दिये गये निर्देश के अनुसार जिला एवं जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में लिये गये निर्णय निर्माण कार्यों को अंतिम रूप दिये जाने के अनुकम में जिला स्तर पर कलेक्टर के अध्यक्षता में जिला कार्ययोजना समिति (डीपीसी) की बैठक दिनांक 4 अक्टूबर 2023 को कलेक्टर सभा में आयोजित की गई।

बैठक में समिति को 15 वॉ वित्त योजना आयोग अंतर्गत जनपद पंचायत कुरई, घंसौर, केवलारी, छपारा, धनौरा, लखनादौन, सिवनी एवं जिला पंचायत सिवनी के निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित किये गये जिसमे सीरियूत क्रमांक-23 जनपद पंचायत सिवनी के ग्राम पंचायत गोपालगंज कार्य का नाम शवदाह गृह निर्माण कार्य गोपालगंज हेतु 15 वॉ वित्त मद में स्वीकृत लागत राशि 250,000/- रूपये स्वीकृत किये गये है और लगभग 2 वर्ष होने के बाद भी आज दिनांक तक शवदाह गृह गोपालगंज की कायाकल्प जस की तस बनी होकर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं हुआ है।

शासन द्वारा समय-समय पर दशा और दिशा सुधारने हेतु निर्णय लिये जाकर राशि आवंटित की जाती है लेकिन सरपंच सचिव मिलजुलकर उक्त राशि का बंदरबांट कर दस्तावेजों में निर्माण कार्य का होना दर्शाते हैं और जन सामान्य से वसूला गया टैक्स जो शासन निर्माण कार्य हेतु आवंटित करता है उक्त राशि का उपयोग निर्माण कार्य में ना कर पता नही किस कार्य में करते हैं जिन पर कार्यवाही ना होने से सरपंच सचिव के हौसले बुलंद हैं।

रेलवे स्टेशन पर चल रही निशुल्क जल सेवा का हुआ समापन

सेवा कर रहे सहयोगियों का शाल श्रीफल भेंट कर किया सम्मान

गंज बासौदा दैनिक सांध्य प्रकाश। रेलवे स्टेशन पर नागरिक सेवा समिति की ओर से विगत 41 वर्षों से निशुल्क शीतल जल सेवा का सेवा कार्य प्रतिवर्ष गुड़ी पड़वा से प्रारंभ होता है और मौसम अनुसार रविवार को उस जल सेवा का मूली बाई धर्मशाला में समापन किया गया जल सेवा व्यवस्थापक योगेश शाह और नान जी भाई ने बताया हालांकि यह जल सेवा का कार्य मौसम अनुसार यह निशुल्क जल सेवा निरंतर चालू रहेगी*कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाज सेवी कान्ति भाई शाह, इस वर्ष के जल सेवा के सहयोगी राधेश्याम साहू , शंभू दयाल शर्मा, सत्यपाल तनवानी, शांतिलाल शाह, दमयंती धर्म कांटा सेवार्थ के संचालक योगेश शाह एवं नान जी भाई थे

रेलवे स्टेशन पर जल सेवा के इस वर्ष के आयोजक राधेश्याम साहू परिवार का स्मृति चिन्ह ,शाल श्रीफल एवं मोतियों की माला पहन कर सम्मान किया गया जल सेवा में तन मन से सहयोग कर रहे कर्मचारियों को (वस्त्र) पैंट शर्ट भेंट किए गएइस मौके पर समिति अध्यक्ष कांति भाई शाह , सचिव सुरेश तनवानी, सह सचिव विनीत अरोरा, जयेश शाह,आर पी एफ स्टाफ से योगेंद्र सिंह, राहुल यादव, लेखराज जाट, वसीम खान, विकास गुर्जर, आंख जांच केंद्र संचालक

डॉक्टर हरिप्रसाद, केयूर शाह,महेंद्र सिंह सूर्यवंशी,नाटू भाई पटेल, गोविंद नारायण खंडेलवाल, अजीत कुमार जैन, विनोद शाह,जया बेन,राजेश तारण, हनीफ फजलानी, शिव प्रसाद श्रीवास्तव, सुरेश ताम्रकार,केशव राजपूत, अतुल शाह,मनोज शर्मा,लाल बहादुर ताम्रकार, जगदीश भावसार, मयंक टॉक,नेतराम मिश्रा, रेलवे विभाग से हेमंत राय,आर सी राठौर, ,के पी तिवारी,मुन्ना लाल तिवारी, शिव कुमार अवस्थी, चैन सिंह गुर्जर, उधम सिंह यादव, शिव शंकर गुर्जर केशव प्रसाद विश्वकर्मा , अनिल पाठक सहित जल सेवा के सहयोगी सदस्य उपस्थित थे*कार्यक्रम का संचालन नागरिक सेवा समिति के सचिव सुरेश तनवानी ने किया एवं श्वेतांबर समाज के सचिव विनोद शाह ने सभी का आभार व्यक्त किया

किसानो की जमीनों पर वन विभाग को घुसने नहीं देंगे परिणाम कुछ भी हो : तिवारी

छतरपुर – शिवसेना द्वारा जिले की किसानो की समस्याओ को लेकर शिवसेना जिला इकाई द्वारा एक बड़ा आन्दोलन किया गया जिसमे हजारो शिवसैनिक किसान शामिल हुए शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी के नेतृत्व में सभी शिवसैनिक एवं किसान स्थानीय गायत्री मंदिर में एकत्रित हुए जहाँ से रैली के रूप में वन विभाग के खिलाफ नारेवाजी करते हुए जिला वन मण्डल अधिकारी के कार्यालय पहुचे जहाँ शिवसेना के कार्यकर्ताओ ने जमकर नारेवाजी एवं वन विभाग के अमला के साथ धक्का मुक्की की गई शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी ने कहा है कि एक ओर वन विभाग के कर्मचारी किसानो को पंचनामा बनाकर देते है कि आपकी भूमि वन विभाग में शामिल नही है आप क्रय कर ले और बाद में उसी भूमि पर अपना आधिपत्य जमाते है साथ हि किसानो से जमकर वसूली भी की जाती है बोर कराने के नाम पर 10,000/- रुपया बुबाई के नाम पर 50,000/- रुपया तक मांगे जाते है किसानो की पैतृक भूमि,भूमि स्वामी एवं पट्टेधारी किसानो को जबरन गुंडागर्दी से जमीनों से भगा दिया गया है साथ ही किसानो को न कोई नोटिस दिया जता है न कोई जानकारी सीधे उनके जमीनों पर जाकर गुंडागर्दी कर उन्हें और उनके परिवार को डरा धमका कर उसको घर भगा दिया जाता है इन सभी मुद्दों को लेकर शिवसेना द्वारा मुख्य वन संरक्षक अधिकारी महोदय को छः सूत्रीय मांग पत्र सौपा गया ज्ञापन में कहा है कि 1. यह है कि जो कृषि भूमि मध्यप्रदेश भू अधिनियम वर्ष 1959 के तहत भूमि स्वामी है उन भूमियो से वन विभाग अपना कब्ज़ा तत्काल प्रभाव से छोड़े एवं जिन किसानो को आपके द्वारा जबरन भगाया गया है उन्हें तत्काल कब्ज़ा दे एवं किसानो को प्रताड़ित करना बंद कारे 7 2.यह कि जो किसान भूमि स्वामी/पैतृक भूमि पर काबिज है उनको दिए गए नोटिस तत्काल वापिस किये जाये और बेगुनाह किसानो पर कोई भी कार्यवाही नहीं की जाये 73.यह है कि वन कर्मियो/वनरक्षको द्वारा किसानो से लगातार अवैध वसूली की जा रही है एवं वे किसानो को डरा धमका रहे है ऐसे कर्मचारियों पर तत्काल कार्यवाही हो 4.यह है कि जो वास्तविक वन भूमि हो या शासकीय भूमि हो या जिस भूमि का किसानो को पट्टा न दिया गया ।

नगर पालिका अध्यक्ष ने शुरू कराया अभियान , सूअर मुक्त हो इटारसी

सांध्य प्रकाश÷इटारसी। शहर को आवारा सूअरों से मुक्त कराने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने एक विशेष अभियान शुरू कराया है। इस ÷सूअर मुक्त अभियान÷ का उद्देश्य शहर की स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। अभियान के दौरान पुलिस सुरक्षा भी मौजूद रही ताकि कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

यह पहल शहर में बढ़ती सूअरों की समस्या के मद्देनजर की गई है, जिससे गंदगी फैलने और बीमारियों का खतरा बढ़ने की शिकायतें मिल रही थीं। पंकज चौरे ने जोर देकर कहा कि एक स्वच्छ और स्वस्थ इटारसी के निर्माण के लिए यह कदम उठाना बेहद ज़रूरी है।अभियान के दौरान कुछ जगहों पर हुई हल्की-फुल्की झड़पेंहालांकि, इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान गरीबी लाइन और नाला मोहल्ला जैसे कुछ क्षेत्रों में छिटपुट घटनाओं की खबर भी मिली है। इन इलाकों में सूअर पकड़ने वाली टीम को स्थानीय निवासियों के कुछ विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की और गर्मा-गरमी देखने को मिली, लेकिन पुलिस की मौजूदगी से स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया। इन घटनाओं के पीछे कुछ लोगों द्वारा सूअर पाले जाने या उनके भावनात्मक लगाव को वजह माना जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों में कुछ दिक्कतें आती हैं, लेकिन प्रशासन जनहित में अपने काम के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सहयोग करने और इटारसी को एक बेहतर शहर बनाने में मदद करने की अपील की है।

हरे कृष्णा राधे कृष्णा भजन के साथ धर्मप्रेमियों ने की जगन्नाथ से दुख हरने मांगी कामना रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मण्डला। 1 जुलाई को मंडला में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा भव्यता से निकाली गई। अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ(इस्कॉन) के द्वारा आयोजित इस रथ यात्रा में सैकड़ो की संख्या में धर्मप्रेमियों ने शामिल होकर भगवान को नगर भ्रमण कराया। इस अवसर पर मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, एसडीएम सोनल सिडाम, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, भाजपा वरिष्ठ नेता विनय मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, राष्ट्रीय स्वयं सेवक के विभाग प्रचारक पंकज तिवारी, समाजसेवी नीरज अग्रवाल, सुनील मिश्रा, सुधीर कांसकार, वरिष्ठ शिक्षक मुकेश पांडे ने भगवान जगन्नाथ स्वामी का पूजन कर श्रीफल अर्पण करते हुए रथ को नगर भ्रमण के लिए रवाना कराया। रथ यात्रा के पूर्व राम मंदिर पड़ाव में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलदेव, बहन सुभिद्रा की विधि विधान से स्थापना की गई। यहां पर महाआरती के साथ भगवान जगन्नाथ स्वामी को 56 भोग अर्पण किए गए। मातृशक्तियों ने विभिन्न प्रकार के पकवान मिष्ठान तैयार किए और भगवान जगन्नाथ स्वामी को अर्पित किए। इस दौरान हरे कृष्णा, राधे कृष्णा के भजन के साथ धर्मप्रेमियों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी से अपने दुख हरने की मनोकामना मांगी। इस दौरान स्वामी का भक्तों ने स्वागत वंदन करते हुए इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर आभार व्यक्त किया। रथ महोत्सव के इस आयोजन पर नगर के विभिन्न स्थानो में सामाजिक संगठनों के द्वारा स्वागत किया गया और धर्मप्रेमियो ने भगवान जगन्नाथ स्वामी की जगह-जगह आरती करते हुए जयघोष के साथ जय जगन्नाथ के नारे लगाए। इस अवसर परम पूज्य भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी ने बताया कि इस रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, जो कि भगवान कृष्ण हैं व उनके बड़े भाई बलभद्र जो बलराम जी हैं और बहन सुभद्रा जो कि अर्जुन की पत्नी हैं के साथ बड़े शान से सौंदर्य तरीके से सजाये गये सुसज्जित रथ के साथ मंडला के निवासियों पर अपनी कृपा कटाक्ष बरसाते हुए आए हैं। ऐसी पौराणीक मान्यता है कि जो रथ पर सवार इन भाई-बहनों को देखेगा वह सभी पापों से मुक्त हो जाएगा। रथयात्रा का आध्यात्मिक इतिहास अत्यंत गहरा है। पुराणों में वर्णित है कि पहली रथ यात्रा तब मानी जाती है जब वृंदावन वासियों ने भगवान श्रीकृष्ण को कुरुक्षेत्र से रथ में बैठाकर अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। उसी प्रेम भावना को पुरी और कुरुक्षेत्र की रथ यात्राएं दोहराती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि भगवान के रथ-दर्शन से करोड़ों जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और यह रथयात्रा उसी कृपा का विस्तार है। बता दें अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन के द्वारा भव्य जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन किया गया है। यह आयोजन इस्कॉन उज्जैन की प्रेरणा से हो रहा है जो कि पूरे मध्यप्रदेश में 34 स्थानों पर रथयात्रा जा रही है। इसी कड़ी में 1 जुलाई को यह रथ यात्रा मंडला पहुंची जहां इस पुनीत कार्य का नेतृत्व परम पूज्य भक्ति प्रेम स्वामी महाराज ने किया। जो इस्कॉन उज्जैन के अध्यक्ष और दीक्षा गुरु हैं। यह दो किलोमीटर लंबी रथयात्रा दोपहर 2 बजे राम मंदिर पड़ाव से आरंभ हुई जो चिलमन चौक बड़ चौराहा, रेडक्रॉस, बैगा-बैगी चौंक, नेहरू स्मारक होते हुए महिष्मति घाट पहुंची। जहां पर भगवान जगन्नाथ स्वामी की महाआरती की गई और भक्तों के दर्शन के लिए रथ को विश्राम दिया गया। साथ ही यहां पर मां नर्मदा की पंचचौंकी महाआरती की गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में धर्मप्रेमी शामिल हुए।

आनन्द धाम में संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

आष्टा । विगत 20 वर्षो से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा महोत्सव अलीपुर जगदीश मंदिर से आनंद धाम बुधवारा स्तिथ मौसी के घर पहुचने का सिलसिला सतत जारी है। पंडित गजेंद्र शास्त्री धर्माधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी आनंद धाम बुधवारा पर भगवान जगन्नाथ जी रथयात्रा के साथ अपनी मौसी के घर आनन्द धाम पधारे हैं । भगवान के पधारने पर संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजित किया गया है । आज कथा के चतुर्थ दिवस में कथा व्यास पंडित कन्हैया लाल शर्मा ने कंस के अत्याचारों का नाश करने के लिए भगवान विष्णु ने कृष्ण के रूप में अवतार लिया । कृष्ण जन्मोत्सव विषयो को लेकर भक्तों को विस्तार से जानकारी दी । जन्मोत्सव पर मिठाइयां, फल, चॉकलेट बाटी गई । भक्तों ने भगवान के सामने नृत्य किया महिला मंडल एवं सभी भक्तों ने संतों ने भगवान कृष्ण जी के सामने नृत्य किया । आनन्द धाम पर भागवत जी 28 जून से 4 जुलाई तक दोपहर 2÷00 बजे से शाम 5÷00 बजे तक हो रही है । पंडित भवानी शंकर शर्मा परिवार ने सभी भागवत प्रेमियों,भक्तगणों से अपील की है कि आप सभी भक्तगण सापरिवार सादर आमंत्रित है । स्मरण रहे भगवान जगन्नाथ जी बलभद्र बड़े भाई आज चतुर्थ दिन भागवत कथा में कैलाश परमार पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, नरेंद्र कुशवाह पूर्व पार्षद, संजय जैन किला, अजीत जैन,किशोर तिवारी,आनंद शर्मा, अनुराग शर्मा, दीपक सेन शिक्षक, क्षमा शर्मा, गोपाल ताम्रकार, प्रीति कमलेश ताम्रकार, सरकार परिवार राधेश्याम नायक, राधा महेंद्र शर्मा, संगीता मुकेश ताम्रकार,रमा गजेंद्र शर्मा, शिव श्री वादी, ज्ञान सिंह ठाकुर, पंडित भवानी शंकर शर्मा , उमा चंद्रशेखर शर्मा, चद्रेश ज्ञानेंद्र मुदगल हेमराज कुशवाहा सनातन शर्मा सहित सभी महिला मंडल एवं सभी भक्तगणों द्वारा कथा का श्रवण किया गया ।

10 ASP के तबादले, लोकायुक्त और EOW में कई SP बदले गए

भोपाल÷ राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 10 अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं।

इन आदेशों में लोकायुक्त और EOW में कई SP बदले गए है।

स.क्रं	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1	2	3	4
1	श्री राजेश कुमार मिश्रा (डीडी-1998)	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, ग्वालियर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल (सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
2	श्री समर वर्मा, (डीडी-1998)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर	पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, उज्जैन (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपते हुए)
3	श्री अनिल विश्वकर्मा, (डीडी-2000)	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, उज्जैन	पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर
4	सुश्री पल्लवी त्रिवेदी, (डीडी- 2000)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, मुख्यालय भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल (सेवाएँ सा.प्र.वि. से वापस लेते हुए)
5	श्री संजय साहू, (डीडी-2001)	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, जबलपुर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल (सेवाएँ सा.प्र.वि. से वापस लेते हुए)
6	श्री सुनील पाटीदार (डीडी-2008)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, रीवा
7	सुश्री अंजुलता पटले (डीडी-2008)	उप सेनानी, 6वीं वाहिनी, विसबल, जबलपुर	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त जबलपुर (सेवाएँ सा.प्र.वि. को सौंपते हुए)
8	श्रीमती यास्मीन जहरा जमाल (डीडी-2011)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, क्यूडी, पुलिस मुख्यालय, भोपाल-सम्बद्ध पी.टी.सी. भौंरी, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
9	श्री निरंजन शर्मा (निरी-2013)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त ग्वालियर (सेवाएँ सा.प्र.वि. को सौंपते हुए)
10	श्री आनंद यादव, (निरी-2013)	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन-4 नगरीय पुलिस इंदौर	पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, उज्जैन (सेवाएँ सा.प्र.वि. को सौंपते हुए)

इंदौर का गोल्डन हाउस सोशल मीडिया पर वायरल

फर्नीचर से सॉकेट तक सब कुछ बना है 24 कैरेट सोने का

इंदौर। इंदौर का एक लक्जरी बंगला सोशल मीडिया पर इन दिनों देशभर में सुर्खियां बटोर रहा है। यह महलनुमा घर हाईवे इन्फ्रा कंपनी के मालिक और प्रख्यात उद्योगपति अनूप अग्रवाल का बताया जा रहा है। घर की भव्यता और भीतर का वैभव देखकर हर कोई हैरान है। यहां फर्नीचर से लेकर वॉशबेसिन और बिजली के सॉकेट तक 24 कैरेट सोने के हैं।

यह वीडियो इंस्टाग्राम के फेमस कंटेंट क्रिएटर प्रियम द्वारा शूट किया गया है, जो असामान्य और भव्य घरों की सैर के लिए पहचाने जाते हैं। वीडियो में दिखाया गया यह बंगला न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया भर के यूजर्स को अपनी तरफ खींच रहा है। बताया जाता है कि इस वीडियो को अब तक 10 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

यह सब असली 24 कैरेट सोना

वीडियो की शुरुआत में प्रियम, घर के मालिक अनूप अग्रवाल और उनकी पत्नी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश करते हैं। जैसे ही वे बंगले में दाखिल होते हैं, सामने खड़ी 1936 मॉडल की विंटेज मर्सिडीज और कई लग्जरी कारों की लाइन देखकर वे दंग रह जाते हैं। घर में प्रवेश करते ही हर कोने में सोने की चमक नजर आती है। प्रियम जब कहते हैं, ÷मुझे चारों ओर सोना दिख रहा है, तो अनूप अग्रवाल मुस्कराते हुए जवाब देते हैं यह सब असली 24 कैरेट सोना है

सोने के सॉकेट और सजावटी झूमर

बंगले के अंदर 10 बड़े-बड़े बेडरूम, सुंदर झूमर, महंगे इंटीरियर्स और हर कोने में सोने की परत नजर आती है। यहां तक कि दीवारों में लगे बिजली के सॉकेट भी सोने से बने हैं, जिसे देख दर्शक और खुद क्रिएटर भी अचंभित रह जाते हैं। प्रियम हैरानी से कहते हैं ङ्क÷सॉकेट भी गोल्ड के? यह अविश्वसनीय है!÷

घर में मौजूद गौशाला

सिर्फ भौतिक वैभव ही नहीं, यह घर आध्यात्मिक दृष्टि से भी समृद्ध है। घर में एक भव्य पूजा घर है, जहां परिवार का हर सदस्य दिन की शुरुआत भगवान के चरणों में सिर झुकाकर करता है। बंगले के पिछवाड़े में एक स्वच्छ गौशाला भी बनाई गई है, जहां कई गाएं रखी गई हैं।

पेट्रोल पंप से होटल साम्राज्य तक का सफर

इस वीडियो की सबसे प्रेरणादायक बात अनूप अग्रवाल द्वारा साझा की गई उनकी संघर्ष की कहानी है। जब प्रियम ने उनसे उनके जीवन के शुरुआती दौर के बारे में पूछा, तो अनूप ने कहा ङ्क÷हमारे पास सिर्फ एक पेट्रोल पंप था। 25 लोगों का परिवार था। मुझे लगा कि इससे सर्वाइवल मुश्किल होगा, तो मैंने सरकारी ठेकेदारी शुरू की। सड़कें, पुल, इमारतें बनाईं। अब 300 कमरों वाला होटल बना रहे हैं। यही मेरी विकास यात्रा है।

बंगले की भव्यता आकर्षण का केंद्र

बंगले की भव्यता भले बाहरी आकर्षण का केंद्र हो। अनूप अग्रवाल और उनकी पत्नी की सादगी, आध्यात्मिकता और संघर्ष की यात्रा ज्यादा प्रभावित करती है। यह महल सिर्फ सोने की चमक नहीं, बल्कि एक भारतीय परिवार की प्रेरक कहानी है। इस परिवार ने मेहनत, लगन और आस्था से सफलता की नई परिभाषा लिखी है।

देर रात कई आईएएस अधिकारियों के तबादले, सुखबीर सिंह बने PWD के PS, संजीव कुमार झा को भी नई जिम्मेदारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने मंगलवार की रात वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। चुनाव आयोग से सुखवीर सिंह की सेवाएं वापस लेते हुए उन्हें लोक निर्माण विभाग का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, संजीव कुमार झा अब प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होंगे, जबकि पहले वे सदस्य राजस्व मंडल ग्वालियर के पद पर कार्यरत थे। इस राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कई वरिष्ठ अधिकारियों को नए कार्यभार सौंपे गए हैं।

आइएएस अधिकारियों के इन तबादलों की योजना काफी समय से चल रही थी और सरकार बड़े स्तर पर बदलाव करने की तैयारी में थी, लेकिन फिलहाल केवल संक्षिप्त सूची ही जारी की गई है। संजीव कुमार झा को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया गया। संजीव कुमार झा, जो पहले सदस्य राजस्व मंडल ग्वालियर के पद पर कार्यरत थे, अब उन्हें मध्य प्रदेश राज्य का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जो राज्य में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाने में मदद करेगा। सुखबीर सिंह, जो पहले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, उन्हें अब मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग में प्रमुख सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। लोक निर्माण विभाग राज्य के महत्वपूर्ण निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संचालित करता है, और इस विभाग में उनके योगदान से विकास कार्यों की गति तेज होगी। रघुराज एमआर, जो पहले सचिव मध्य प्रदेश तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के पद पर कार्यरत थे, अब उन्हें श्रम विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। उनके पास इस पद पर अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाने का मौका होगा, जिससे राज्य में श्रम और रोजगार के मुद्दों पर सुधार आ सके। इसके अतिरिक्त, अन्य कई प्रशासनिक बदलाव भी किए गए हैं, जिनमें निम्नलिखित प्रमुख नियुक्तियां शामिल हैं÷ अनिल सुचारी को सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव के पद से हटाकर आयुक्त सागर संभाग बनाया गया है। मुकेश चंद्र गुप्ता को सचिव मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के साथ-साथ सदस्य राजस्व मंडल ग्वालियर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। विवेक कुमार पोरवाल को प्रमुख सचिव राजस्व विभाग के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। नीरज मंडलोई अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग और अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त दायित्व से मुक्त होंगे। उमाकांत उमराव को ङ्क खनिज साधन और पशुपालन विभाग से मुक्त कर श्रम विभाग का कार्य सौंपा गया है।

केंद्र ने बाइक टैक्सी को दी मंजूरी, दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बाइक टैक्सी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने 1 जुलाई को मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 जारी किए, जिनमें निजी (गैर-परिवहन) बाइक को यात्री सेवा के लिए उपयोग करने की अनुमति दी गई है। लेकिन इसके लिए राज्य सरकारों की मंजूरी जरूरी होगी। रैपिडो, उबर और ओला जैसी बाइक टैक्सी प्लेटफॉर्म के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। दिशानिर्देश में कहा गया है कि इस पहल से न केवल ट्रैफिक जाम और प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि लोगों को सस्ता परिवहन विकल्प भी उपलब्ध होगा। साथ ही, हाइपरलोकल डिलीवरी सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। राज्य सरकारों को एग्रीगेटर कंपनियों पर प्रतिदिन, साप्ताहिक या 15 दिनों के हिसाब से शुल्क लगाने का अधिकार होगा।

मध्य प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र के ऋण मार्च 2025 तक 1 करोड़ तक की केडिट सीमा वाले उधारकर्ता वर्ग में 5 वर्षों में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़े

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में देश में मनाए गए एमएसएमई दिवस के अवसर पर, ट्रांसयूनियन सिबिल ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में मध्य प्रदेश की बढ़ती और मजबूत भागीदारी को रेखांकित किया है। क्रेडिट संस्थाओं द्वारा ट्रांसयूनियन सिबिल को दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के एमएसएमई न केवल अपने आकार में बल्कि वित्तीय परिपक्वता में भी वृद्धि कर रहे हैं। मार्च 2020 से मार्च 2025 के बीच, 1 करोड़ तक के क्रेडिट एक्सपोजर वाले उधारकर्ताओं के वर्ग में पोर्टफोलियो बैलेंस में 15 प्रतिशत की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। मार्च 2025 तक इस वर्ग में राष्ट्रीय पोर्टफोलियो में राज्य की हिस्सेदारी 4.9 प्रतिशत रही। इसी अवधि में, बकाया स्तर पर डिफॉल्ट दर 3.3 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 3.1 प्रतिशत के करीब है और दर्शाता है कि ऋण चुकाने की प्रवृत्ति स्थिर बनी हुई है।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल मुंबई ने आधुनिक रेडिएशन टेक्नोलॉजी के साथ कैंसर उपचार में सटीकता को बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल मुंबई ने आधुनिक रेडिक्सएक्ट0 ट्रीटमेंट डिलीवरी सिस्टम के साथ अपनी रेडिएशन थेरपी को अपग्रेड करते हुए अपनी कैंसर उपचार क्षमताओं में लक्षणीय उन्नति हासिल की है। यह आधुनिक टेक्नोलॉजी ऑन्कोलॉजी में हॉस्पिटल की लीडरशिप को मज़बूत करती है, कैंसर उपचार में उन्नत सटीकता, सुरक्षा और अनुकूलनशीलता लाते हुए मरीज़ों को मिलने वाले परिणामों में सुधार लाया है। रेडिक्सएक्ट ने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में उपलब्ध व्यापक कैंसर देखभाल सुविधाओं को मज़बूत किया है। अगली पीढ़ी की बुनियादी सुविधाओं, अंगों के अनुरूप सब-स्पेशलिटी निपुणताओं और वैश्विक स्तर पर बेंचमार्क माने जाने वाले प्रोटोकॉल इन सभी का शक्तिशाली मिलाप इस सिस्टम में है।

द वेल्थ कंपनी ने मूडीज और पीजीपी एकेडमी के साथ मिलकर शुरू की विश्व-स्तरीय वेल्थ मैनेजमेंट और एसआईएफ ट्रेनिंग

मुंबई, एजेंसी। म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत, द वेल्थ कंपनी ने इंडस्ट्री में पहली बार तीन विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें से दो मूडीज और पीजीपी एकेडमी के साथ मिलकर चलाए जा रहे हैं, जबकि तीसरा विशेष रूप से द वेल्थ कंपनी द्वारा विकसित किया गया है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह से प्रायोजित हैं और इन्हें डिस्ट्रीब्यूटर्स को वेल्थ मैनेजमेंट के भविष्य, निवेशकों के व्यवहार और नए जमाने के निवेश प्रोडक्ट्स के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का लक्ष्य पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 5,000 डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाना है, जिससे उन्हें लगातार बदलते उद्योग परिदृश्य में गहरा ज्ञान, आत्मविश्वास और विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिल सके। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जुलाई 2025 से शुरू होने वाले हैं।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 के लिए '9वें फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान की घोषणा की

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 सीजन के लिए योजना लागू करने वाले राज्यों में अपना 'फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। यह एक हफ्ते तक चलने वाली पहल है, जिसका मकसद किसानों को फसल बीमा के फायदे समझाना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को शामिल करना है। किसानों को मौसम से होने वाले नुकसान से बचाने में फसल बीमा की अहमियत को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन से जुड़ी कई गतिविधियां शुरू की हैं। ये कोशिशें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, असम, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे छह बड़े राज्यों के शहरों और गांवों में की जाएंगी, जिनमें लोगों तक पहुंच और असर को बढ़ाने के लिए पुराने और नए तरीकों के मेल से प्रचार किया जाएगा।

नेशनल पुलिस एकेडमी की ट्रेनिंग

एन के त्रिपाठी

आईपीएस में अपने पहले प्रयास में सफल होने के पश्चात 4 नवम्बर, 1974 को मुझे लखनऊ में भारत सरकार का टेलीग्राम प्राप्त हुआ जिसमें मुझे 11 नवंबर को नागपुर में नैशनल सिविल डिफेंस कॉलेज में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। बड़े उत्साह के साथ तैयारियां कर मैं चारबाग़ स्टेशन लखनऊ से रवाना हुआ जहां मेरी पूरी मित्र मंडली मुझे विदा करने के लिए आयी थी। नागपुर में सिविल डिफेंस कॉलेज में दो सप्ताह तक नागरिक सुरक्षा, आग बुझाने और त्रासदी से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया।

नागपुर में प्रशिक्षण समाप्त कर हम आबू रोड स्टेशन पहुँचे जहाँ हमें सरदार वल्लभ भाई पटेल नैशनल पुलिस एकेडमी का वाहन मिला जो हमें पहाड़ चढ़ा कर माउंट आबू ले गया।माउंट आबू राजस्थान में गुजरात सीमा के पास अरावली पर्वत के सबसे ऊँचे भाग में स्थित है। पुलिस एकेडमी के शैक्षणिक, प्रशासकीय भवन पुराने लॉरेंस स्कूल में एवं होस्टल रजवाड़ों के होटलों और कोठियों में थे। मुझे पालनपुर हाउस में कमरा दिया गया। दूसरे दिन हम सब लोगों के लंबे बाल काटकर रिक्रूट स्टाइल के कर दिये गये जो पहला सांस्कृतिक झटका था।सुबह साढ़े पाँच बजे मेरे कमरे में रता नामक रूम बैरा चाय लेकर आता था। आधे घंटे में तैयार हो कर हाफ़ पैंट और जर्सी में पीटी ड्रेस पहन कर बाहर निकलते थे। बहुत भयानक ठंड और हवाएँ शुरू हो चुकी थी।हाफ़ पैंट में ठंड और हवा असहनीय हो जाती थी और कुछ दौड़ने के बाद ही ठीक लगता था।आउट डोर गतिविधियों के लिए हम लोगों को 6 स्क्वाड में बाँट दिया गया था।सामूहिक दौड़ के बाद सभी स्क्वाड की अलग-अलग पीटी उसी ग्राउंड पर होती थी। पीटी के बाद ग्राउंड पर ही रूम बैरा द्वारा लायी गई यूनिफ़ॉर्म बदल कर दो पीरियड फिर परेड होती थी। मेरे स्क्वाड के प्रभारी इंस्पेक्टर साही थे।परेड के उपरांत हम लोग अपने कमरों में तैयार होकर राजपुताना हाउस की मैस में ब्रेकफास्ट के लिए जाते थे। वहाँ से इंडोर क्लासेज के लिए जाते थे जहाँ हमें क़ानून तथा पुलिस से संबंधित विषय पढ़ाए जाते थे।शाम को स्पोर्ट्स के लिए जाना पड़ता था।एक बार हम लोगों को माउंट आबू के सूर्यास्त पॉइंट पर ले जाया गया जहाँ से नीचे के मैदान तक हमें पहाड़ से उतरकर फिर वापस ऊपर आने की कठिन एक्सरसाइज़ करनी पड़ी। हमें घोड़ों का

प्रबंधन तथा घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिया जाता था। ख़तरनाक रॉक क्लाईंबिंग सीधी और ऊँची चट्टानों पर करते थे। रविवार को कुछ मित्रों के साथ पहाड़ों पर ट्रैकिंग के लिए या दिलवाड़ा मन्दिर तक घूम कर आते थे। जनवरी 1975 के अंतिम सप्ताह में एक दिन पूरे प्रोबेशनर्स के समक्ष हमारे डायरेक्टर श्री एस एम डायज़ ने घोषणा की कि पूरी एकेडमी हैदराबाद शिफ़्ट होगी। उनकी इस घोषणा पर हम लोगों ने खड़े होकर देर तक तक तालियां बजाईं। माउंट आबू बहुत छोटी जगह थी तथा दो महीने में ही हम लोग ऊब गये थे। हैदराबाद में पुलिस अकादमी बनकर तैयार थी परंतु श्री डायज़ के प्रयत्नों से ही यह संभव हो सका। पूरी अकेडमी को शिफ़्ट करना एक बहुत बड़ा कार्य था। भारी साजोसामान, घोड़ों आदि को अनेक विशेष ट्रेनों से हैदराबाद ले जाना था।शिफ़्टिंग के समय हमें 6 दलों में बाँट कर भारत के विभिन्न पुलिस संस्थानों में दो सप्ताह के लिए भेज दिया गया। मेरा दल बीएसएफ एकेडमी टेकनपुर, जिला ग्वालियर गया था। ग्वालियर में मैं स्क्वऔर छठ्ठत के बंगले पर जाकर उनसे मिला।संयोगवश, कालांतर में मुझे इन बँगलों में स्वयं रहने का अवसर मिला।

हैदराबाद में सुन्दर अकेडमी के सभी नवनिर्मित भवन एक कैंपस में थे। हम लोगों को रहने के लिए सिंगल नये कमरे प्राप्त हुए। हमारी मैस हॉस्टल में ही नीचे के लाउंज से लगी थी तथा क्लासरूम और परेड ग्राउंड पास में बने हुए थे।मौसम भी सुहावना था। इंडोर और आउटडोर ट्रेनिंग पूरे ज़ोर शोर से प्रारंभ हो गई। पीटी में रस्सा चढ़ना, दौड़कर सीधे और उल्टे समर सॉल्ट करना, हर्डल कूदना भी था। मैं इन सभी कार्यों में अच्छा निपुण हो गया था। परेड और राइफ़ल ड्रिल अच्छी कर लेता था। राइफ़ल, कार्बाइन और पिस्टल आदि के प्रयोग करने का सघन प्रशिक्षण दिया गया। मेरा निशाना अच्छा था जो आज भी है।परंतु घुड़सवारी में मैं बहुत औसत था। भारत दर्शन में दक्षिण भारत का विस्तृत भ्रमण और अनेक विख्यात मंदिर देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

प्रत्येक शनिवार की शाम हम लोगों के लिए विशेष मनोहर होती थी। स्पोर्ट्स क्लास के बाद शाम को एकेडमी से तीन किलोमीटर पैदल चलकर नेहरु जू के पास बस पकड़कर हम लोग आबिद रोड या सिकंदराबाद जाते थे। वहाँ मूवी देखने के बाद रेस्टोरेंट में खाना खा कर देर रात तक ऑटो रिक्शा से वापस लौटते थे। उन क्षणों की स्मृतियाँ बहुत मधुर हैं।

प्रशिक्षण समाप्त होने से पूर्व लिखित और आउटडोर की परीक्षाएं हुईं। घुड़सवारी में लॉटरी सिस्टम से मुझे मेघदूत घोड़ा मिला जो एकेडमी का सर्वाधिक चपल और सबसे तेज घोड़ा था। मेरा हृदय बैठ गया। लेकिन राइडिंग हवलदार राम सहाय ने ढाँढस बँधाया कि आप केवल सवार हो जाइए, यह आपको पालकी की तरह ले जाएगा।वही हुआ, ज़रा से इशारों पर मेघदूत वॉक, ट्रॉट, कैंटर, गैलप और जंप सभी में अच्छी तरह ले गया और अनपेक्षित रूप से घुड़सवारी में मुझे काफ़ी अंक प्राप्त हुए। पूरे प्रशिक्षण ने मुझे कठिनतम समस्याओं का सामना करना सिखा दिया। अंत में पासिंग आउट परेड के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी सैल्यूट लेने के लिए आईं। मुख्य परेड समाप्त होने के बाद हम लोग बैंड पर 'ऑल्ड लॉंग साइन' की धुन पर स्लो मॉर्च में परेड ग्राउंड से बाहर निकले। इस क्षण की हम लोग बहुत दिनों से प्रतीक्षा कर रहे थे। हमारा एक वर्ष का कठिन प्रशिक्षण समाप्त हुआ। परेड के बाद इंदिरा जी के साथ लंच लेने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ। एकेडमी से कॉमरेड्री और खट्टी मीठी यादों के साथ हम लोग आर्मी अटैचमेंट तथा अपने आवंटित राज्यों की ओर चल पड़े।

दिल्ली में ज्वेलरी कारोबारियों की सबसे बड़ी एग्जीबिशन DJGF 2025 में देशभर से जुटेंगे रिटेलर और ब्रांड्स

भोपाल। एक बार फिर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में लौट रहा है – और इस बार और भी ज़्यादा भव्यता और अवसरों के साथ। यदि आप एक सीरियस ज्वेलरी बायर या रिटेलर हैं, तो यह एग्जीबिशन आपके लिए है। हर ज्वेलरी बायर की पहली मांग होती है वैरायटी और क्वालिटी, और छ्ठ्ठत्तस्र 2025 यह दोनों ही आपको एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराता है। चाहे आप गोल्ड, डायमंड, सिल्वर या जेमस्टोन में काम कर रहे हों ङ्क आपको यहां अपने बिज़नेस की ग्रोथ के लिए हर जरुरी चीज़ मिलेगी। DJGF 2025 सिर्फ एक एग्जीबिशन नहीं, बल्कि एक नया सोर्सिंग हब है जहां आप देश के टॉप ब्रांड्स से डायरेक्ट डीलिंग कर सकते हैं। यहां आपको नए डिज़ाइन्स, टेक्नोलॉजी और मार्केट ट्रेंड्स की लाइव झलक मिलेगी।

कब रुकेगी मछुआरों की गिरफ्तारी.. श्रीलंका ने फिर 7 को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने भारत के 7 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। श्रीलंका का दावा है कि ये मछुआरे उसके जलक्षेत्र में अवैध तरीके से घुस आए थे। बयान के मुताबिक, श्रीलंका ने सभी मछुआरों के जहाजों को भी जब्त कर लिया है। इस हफ्ते का यह दूसरा ऐसा मामला है जब श्रीलंका ने भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। श्रीलंकन नेवी के प्रवक्ता के मुताबिक, यह गिरफ्तारी सोमवार को तलाईमन्नार क्षेत्र में हुई है, जो श्रीलंकाई कार्यक्षेत्र में आता है। नेवी के मुताबिक, जिन मछुआरों और उनके जहाजों को जब्त किया गया है, उन्हें तलाईमन्नार के नेवी पोर्ट पर फिशरीज इंस्पेक्टर को सौंपा जाएगा। इससे पहले रविवार को भी नेवी ने 10 लोगों को इसी आरोप के तहत गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका दोनों अक्सर एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से घुसने के कारण मछुआरों को गिरफ्तार करते रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों में लगातार तनाव बना रहता है। कई बार, पलक की खाड़ी के पास श्रीलंका की नेवी इन जहाजों पर फायरिंग भी करती है और जहाजों को लंबे समय तक जब्त कर लेती है। दरअसल, पलक की खाड़ी के पास दोनों देशों के बीच एक छोटी सीमा है, जिसे ध्यान में रखना काफी मुश्किल है। नतीजतन, दोनों देशों के मछुआरे अक्सर इस क्षेत्र को पार कर कथित रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा के नियमों का उल्लंघन करते हैं। पलक की खाड़ी तमिलनाडु के काफी नजदीक है।

सफलता का रोडमैप: लक्ष्य की स्पष्टता और अटूट निश्चय

प्रवीण कक्कड़

हर व्यक्ति अपने जीवन में सफलता, प्रगति और आगे बढ़ना चाहता है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ ही लोग अपने सपनों को हक़ीकत में क्यों बदल पाते हैं, जबकि बाकी सिर्फ ख्यालों में खोए रहते हैं? सफलता कोई संयोग नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी यात्रा है। इन दोनों तरह के लोगों के बीच सबसे बड़ा अंतर लक्ष्य की स्पष्टता का होता है। ज्यादातर लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि उन्हें वास्तव में क्या बनना है या क्या हासिल करना है। वे धुंधले सपनों की दुनिया में जीते हैं। वहीं, सफल लोग पहले अपनी क्षमताओं और ताकत को पहचानते हैं, और फिर उसी के अनुसार अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करते हैं। वे लक्ष्य तय करने से पहले गहराई से सोचते-विचारते हैं। लेकिन, एक बार जब लक्ष्य तय हो जाता है, तो उनके मन में कोई दुविधा नहीं रहती। वे पूरी लगन से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं।

सफलता की राह में चुनौतियां और बाधाएं आना स्वाभाविक है। लेकिन, सफल लोग कभी हार नहीं मानते। अगर एक रास्ता बंद होता है, तो वे दूसरा रास्ता ढूंढते हैं। यदि किसी मुसीबत के कारण उन्हें अस्थायी रूप से पीछे हटना पड़ता है, तो सही समय आने पर वे दोबारा कदम आगे बढ़ाते हैं। उनका निश्चय अटूट होता है और वे परिस्थितियों के अनुसार लचीलापन भी अपनाते हैं। वे जानते हैं कि हर रुकावट एक नया रास्ता खोलने का अवसर होती है।

दुनिया के सफल लोगों से सीखें

अगर आपको इन बातों पर आसानी से यकीन नहीं होता, तो दुनिया के सबसे कामयाब लोगों की जिंदगी पर गौर कीजिए। उन्होंने हमेशा अपने लक्ष्य को चुनने में बहुत सावधानी बरती। इस सावधानी का अर्थ है कि उन्होंने अपनी क्षमताओं को पहचाना, अपने आस-पास की परिस्थितियों को समझा और समाज की जरूरतों को परखा। जिन लोगों ने कंप्यूटर का आविष्कार किया, पेट्रोलियम की खोज की, मोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीक विकसित की ङ्क उन सबने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि समाज की नई आवश्यकताएं क्या हैं। उन्होंने सही समय पर, सही जरूरत को पूरा किया। इसलिए, सही समय पर सही लक्ष्य चुनना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आपकी यात्रा, आपकी पहचान

मजरूह सुल्तानपुरी का मशहूर शेर ÷मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया÷ सिर्फ राजनीतिक आंदोलनों या समाज सुधार के लिए नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी उतना ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाता है कि किसी भी बदलाव, नवाचार और प्रयास की शुरुआत अकेले ही होती है। आप किसी भी उम्र के हों, चाहे आप विद्यार्थी हों, नौकरीपेशा हों, या व्यवसायी हों ङ्क जीवन में लक्ष्य तय करना बेहद जरूरी है।

आपका एक्शन प्लान: अभी शुरू करें, अपनी कहानी खुद लिखें! तो, अब सवाल यह है कि आप अपनी सफलता की कहानी कैसे लिखेंगे? यहां आपके लिए एक स्पष्ट एक्शन प्लान है।

खुद को पहचानें: अपनी ताकतों, कमजोरियों और अपनी पसंद-नापसंद को ईमानदारी से परखें। अपनी क्षमता को समझें।

स्पष्ट लक्ष्य बनाएं। तय करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं। आपके लक्ष्य स्मार्ट होने चाहिए (विशिष्ट), (मापने योग्य), (प्राप्त करने योग्य), (प्रासंगिक), और (समय-सीमाबद्ध)।

किसानों को मिला दलहन मिनी तुअर किट बीज

मोहखेड़। किसानों को मिला दलहन मिनी तुअर किट बीज स्वालवन योजना के अंतर्गत वितरण विकासखंड मोहखेड़ के अंतर्गत आने वाली पंचायत ग्राम पंचायत लावाघोगरी में स्वावलंबन योजना के तहत मिनी किट तुवर का आज पी डब्लू डी रेस्ट हाउस निशुल्क वितरण किया गया जिसमें कृषि विस्तार अधिकारी के डी गोनेकर शारदा ऊईके बी एल सरेआम ने करीब 100 से अधिक किसानों को निशुल्क चार किलो बीज वितरण किया जिसमें सरपंच गीता रहनसा ईवनाती उप सरपंच मनेष शीलू किसान लोग उपस्थित रहे।

लॉ कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

छिंदवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में शासन के निर्देशानुसार 01 जुलाई से विधिवत तीन दिवसीय दीक्षारंभ का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी.के.अकोदिया ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया। नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत सीनियर छात्रों द्वारा तिलक लगाकर किया गया, सीनियर छात्रों द्वारा महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के संबंध में अपने अनुभव सांझा किए गए और वीडियो प्रस्तुत करके महाविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और महाविद्यालय का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में डॉ. कमलाकर मोटघरे, डॉ दमयंती कटरे, डॉ स्नेहा कुमारी, कमलेश चरपे , तरुण देशमुख, तरुण यादव, श्रीमती क्रीति कोबरे , श्रीमती ज्योति बाक्सर , अशोक यादव सहित सीनियर और जूनियर छात्र उपस्थित रहे। मंच संचालन कार्यक्रम प्रभारी राकेश कुमार कोष्टी द्वारा किया गया।

लॉ कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

छिंदवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में शासन के निर्देशानुसार 01 जुलाई से विधिवत तीन दिवसीय दीक्षारंभ का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी.के.अकोदिया ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया। नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत सीनियर छात्रों द्वारा तिलक लगाकर किया गया, सीनियर छात्रों द्वारा महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के संबंध में अपने अनुभव सांझा किए गए और वीडियो प्रस्तुत करके महाविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और महाविद्यालय का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में डॉ. कमलाकर मोटघरे, डॉ दमयंती कटरे, डॉ स्नेहा कुमारी, कमलेश चरपे , तरुण देशमुख, तरुण यादव, श्रीमती क्रीति कोबरे , श्रीमती ज्योति बाक्सर , अशोक यादव सहित सीनियर और जूनियर छात्र उपस्थित रहे। मंच संचालन कार्यक्रम प्रभारी राकेश कुमार कोष्टी द्वारा किया गया।

लोक निर्माण विभाग ने किया पौधरोपण

छिंदवाड़ा। मंत्री लोक निर्माण विभाग राकेश सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया है। जिसमें लोक निर्माण विभाग के समस्त स्टाफ द्वारा छिंदवाड़ा एवं पांडुरना जिले में स्थित विभिन्न स्थान जैसे विश्राम भवन, विश्राम ग्रह , मार्गों पर लगभग 1200 पौधे लगाये गए है। जिलों के विभिन्न स्थानों पर कार्यपालन यंत्री, समस्त अनुविभागीय अधिकारी, उपयंत्री एवं समस्त स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 168 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 168 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, पीएम जनमन आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, पात्रता पर्ची जारी करने, संबल योजना का लाभ दिलाने, भू-अधिकार पट्टा दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम गौरपानी के रमेश सरयाम ने अनावेदक से अपनी भूमि का कब्जा दिलाने, ग्राम पंचायत कोल्हिया के सरपंच ने सांसद निधि मद से कार्यालय ग्राम पंचायत कोल्हिया में चौपाल निर्माण कार्य की व्दितीय किश्त की राशि दिलाने, ग्राम लहगडुआ के नारायण बघेल ने आर्थिक सहायता दिलाने, ग्राम चावलपानी की श्रीमती पूजा सागरे ने ग्राम में आंगनवाड़ी सहायिका के पद पर नियुक्ति दिलाने, ग्राम खैरीभोपाल के महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड नंबर-09 के उमेश कुमार डेहरिया ने निवासरत मकान का पट्टा प्रदान करने मांग की।

मध्यम बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (02 से 06 जुलाई 2025) घने बादल रहने एवं दिनांक 02.07.2025, 05.07.2025 एवं 06.07.2025 को बिजली, तूफान के साथ भारी वर्षा एवं दिनांक 03.07.2025 से 04.07.2025 तक बिजली, तूफान के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 24-26 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 21-22 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है ।

हवाई पट्टी में कार दौड़ाकर रील बनाने वाले 9 युवक हिरासत में

सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने की कार्रवाई, पीडब्लयूडी विभाग

छिंदवाड़ा। इमलीखेड़ा स्थित हवाई पट्टी पर कार दौड़ाकर रील बनाने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 9 युवकों को पुलिस हिरासत में लिया है। वायरल वीडियों के आधार पर सीसीटीवी फुटेज खंगालकर एमजी हेक्टर कार और उसमें सवार 9 युवकों को पकड़ लिया गया।

कोतवाली टीआई आशीष कुमार ने बताया कि कार क्रमांक जी.जे.05 आर.यू: 9993 को जब्त किया गया है। युवकों से पूछताछ में पता चला है कि वे सभी छात्र हैं और उनका कोई अपराधिक रिकार्ड नहीं है। सभी को नियमों के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। इस मामले में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही भी सामने आई है। सुरक्षा की जिम्मेदारी विभाग की होती है। इसके बावजूद इसके कार्यपालन यंत्री आकाश खरे ने घटना की न तो शिकायत की और न ही पुलिस को जानकारी दी। जब हवाई पट्टी में रील बनाने का मामला सोसल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ तो कोतवाली पुलिस ने स्वतः ही संज्ञान लेते हुए कुछ ही घंटों में कार्रवाई कर मामला सुलझा लिया। और आरोपियों को हिरासत में लेकर उन पर चालानी कार्रवाई कर चेतावनी देते हुए छोड़ दिया। हालाकि टीआई आशीष कुमार का यह भी कहना है कि कार्रवाई पीडब्ल्यूडी विभाग को करना चाहिए, मामला अभी जांच में लिया है।

शहर में बसों की धमाचौकड़ी पर यातायात पुलिस सख्त

एआरटीओ एवं यातायात टीआई ने ली बस संचालकों की बैठक, स्टॉपेज के अतिरिक्त कहीं नहीं होगी बस खड़ी

छिंदवाड़ा। मंगलवार को यातायात पुलिस छिंदवाड़ा एवं एआरटीओ छिंदवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में बस ऑपरेटरों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी बस संचालकों को परमिट के अनुसार निर्धारित स्थलों पर ही बस खड़ी करने एवं निर्धारित स्टॉपेज के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर बस खड़ी न करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि यदि किसी बस को निर्धारित स्टॉपेज के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर खड़ा किया जाता है या अनधिकृत रूप से बस स्टॉप का उपयोग किया जाता है,तो उसके विरुद्ध सख्त चालानी कार्रवाई एवं विधिसम्मत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक के दौरान सभी बस ऑपरेटरों को इस संबंध में लिखित नोटिस भी प्रदाय किए गए हैं,जिसमें नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कानूनी कार्यवाही की पूरी जानकारी दी गई है। यातायात पुलिस छिंदवाड़ा एवं एआरटीओ छिंदवाड़ा द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनहित में यातायात पुलिस छिंदवाड़ा सभी बस संचालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें एवं शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

आरटीओ,टीआई ट्रैफिक और डीएसपी ट्रैफिक को कारण बताओ नोटिस हुआ था जारी

कलेक्टर ने दिए थे सुरक्षा समीति की बैठक में निर्देश सड़क सुरक्षा समिति की पिछली बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद अब भी कई स्थानों पर बसें अनियमित रूप से खड़ी की जा रही हैं। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने सोमवार को समय सीमा की बैठक में आरटीओ,टीआई ट्रैफिक और डीएसपी ट्रैफिक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से बैठक में कहा था कि सड़क सुरक्षा समिति में दिए गए निर्देशों को सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता से लें,अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

संकल्प सोसाइटी ने डॉक्टर्स डे पर किया सम्मान

संकल्प सोसाइटी ने डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों किया पौधा भेंट

छिंदवाड़ा। शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा निरंतर सेवाभावी कार्य किए जाते हैं एवं विगत 11 वर्षों से चिकित्सक दिवस पर समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस

पर संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ.चन्द्रकान्त विश्वकर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुश्री आराधना शुक्ला, प्रवक्ता डॉ. डी.एस. चौरे, डा.मीरा पराड़कर, नंदू निर्मलकर आदि सदस्यों ने संकल्प सोसाइटी के सहयोगी शहर के ख्याति प्राप्त चिकित्सकों के पास पहुंचकर उन्हें पौधा भेंट कर डॉक्टर्स डे की बधाई दी सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज के डीन अभय कुमार सिन्हा को पौधा भेंट कर उन्हें डॉक्टर्स डे की बधाई दी इस अवसर पर उन्होंने संकल्प सोसाइटी के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा भी की साथ ही वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा मोइत्रा, डा.विकास द्विवेदी, डा.पुष्पेंद्र बघेल, डा प्रीति बघेल, डा.पंकज भूतड़ा, डा. प्रिया भूतड़ा, डा.कंचन दुबे, डा. घनश्याम दुबे, डा.रंजना टांडेकर, डा नीरजा तिवारी, डा दिलीप खरे, डा भारती बदलानी, डा.पूर्णिमा शर्मा,डा. मीरा पराड़कर, डा. डी.एस.चौरे, डा सी.के विश्वकर्मा, डा.पवन नंदुरकर आदि चिकित्सकों का संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सम्मान किया गया ।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी बधाई

रोटरी क्लब छिंदवाड़ा वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष बनने पर वरिष्ठ समाजसेवी विनोद तिवारी एवं सचिव नीलेश गुप्ता कोषाध्यक्ष रूपल अग्रवाल को संकल्प सोसाइटी के पदाधिकारियों ने पौधा भेंट कर सामाजिक क्षेत्र में अच्छे कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी एवं जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में सहभागिता की ।।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा डॉक्टर साहू का सम्मान

छिंदवाड़ा। चिकित्सक दिवस के अवसर पर सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा नरसिंहपुर रोड श्याम टॉकीज की शाखा प्रबंधक श्रीमती उषा सुपनर द्वारा पुराना बैल बाजार स्थित डॉक्टर साहू के चिकित्सालय पहुँचकर नीमा अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद साहू, डॉ मयंक कुमार साहू का सम्मान शॉल श्रीफल एवं एक पौधा देकर किया गया। इस अवसर पर बैंक कर्मी शेख इब्राहिम ,रामेश्वर कपाले, अर्चना टेकाम सहित अन्य व्यक्ति मौजूद थे ।

एसबीआई ने गोधूलि वृद्धाश्रम में मनाया 70 वां स्थापना दिवस

बुजुर्गों को कराया भोजन-लगाया एक पौधा मां के नाम

छिंदवाड़ा। भारतीय स्टेट बैंक की टीम छिंदवाड़ा के गोधूलि वृद्धाश्रम पहुंची और वहां निवास कर रहे सभी 86 बुजुर्गों की कुशल क्षेम पूछ कर उन्हें

स्वादिष्ट भोजन कराया कराकर 70 वें स्थापना दिवस की खुशियां मनाई गई।इस अवसर पर एसबीआई की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय श्रीवास्तव एवं नगर पालिक निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर वरिष्ठ समाज सेवी श्री दीपक राज जैन द्वारा गोधूली आश्रम परिसर में वृक्षारोपण किया गया।कार्यक्रम के दौरान मुख्य प्रबंधक परिचालन श्री पंकज चौरसिया, मुख्य प्रबंधक ष्ठ×ड्ढस्विभूति प्रधान, प्रबंधक मानव संसाधन पवन साह, प्रबंधक स्नद्बु आलोक खातरकर एवं प्रबंधक एनपीए अश्विनी कुमार के साथ बड़ी संख्या में अधिकारीगण उपस्थित रहे। गौरतलब हो कि एसबीआई ने अपने 70 वें स्थापना दिवस पर विगत दिनों 27 जून को छिन्दवाड़ा शाखा में रक्त दान शिविर का भी आयोजन किया था जिसमें 53 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।आपको बता दें कि 70 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एसबीआई चेयरमैन श्री सी. एस. शेट्टी द्वारा पूरे भारत में स्वच्छ द्वारा 70,000 यूनिट रक्तदान करने का संकल्प था जबकि ये आँकड़ा 30 जून तक लगभग 74,000 पहुँच गया था। जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। स्थापना दिवस की खुशी में सभी ब्रांचों में दिन भर विविध अनुष्ठानों का आयोजन कर खुशियां मनाई गई ओर सम्माननीय उपभोक्ताओं को शुभकामनाएं दी गई।

सड़क हादसों में जान बचाने वालों को मिलेगा 25 हजार का पुरस्कार

राह-वीर योजना के क्रियान्वयन लिए जिला स्तरीय समिति गठित

छिन्दवाड़ा। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित सहायता पहुंचाने वाले सजग नागरिकों को अब सरकारी स्तर पर सम्मान और प्रोत्साहन मिलेगा। भारत सरकार की राह-वीर योजना के क्रियान्वयन के लिए जिले में कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के अंदर अस्पताल पहुंचाने वाले सजग नागरिकों को सम्मानित करना है। ऐसे राह-वीरों को प्रमाण पत्र के साथ 25,000 रुपये की नगद राशि भी प्रदान की जाएगी। जिला स्तर पर योजना की निगरानी एवं क्रियान्वयन हेतु गठित समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे, जबकि पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सदस्य तथा जिला परिवहन अधिकारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। यह समिति प्रत्येक माह पुलिस थानों एवं अस्पतालों से प्राप्त राह-वीर प्रस्तावों की समीक्षा करेगी और पात्र पाए गये व्यक्तियों के नाम अनुमोदित कर परिवहन आयुक्त को भुगतान के लिए भेजेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष ने खेड़ा नाला निर्माण की गुणवत्ता पर दिया जोर: नागरिकों कर रहे सराहना

सांध्य प्रकाश,इटारसी। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने वार्ड क्रमांक 9, खेड़ा में नेशनल हाईवे के किनारे बन रहे नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यह नाला 11 लाख 40 हजार रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान, अध्यक्ष पंकज चौरे के साथ पूर्व पार्षद राजकुमार यादव भी मौजूद थे। अध्यक्ष ने ठेकेदार से विशेष रूप से कहा कि नाले का ढलान अच्छा होना चाहिए और गुणवत्ता में कोई समझौता न हो। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के पालन पर विशेष जोर दिया ताकि पानी का उचित बहाव सुनिश्चित हो सके और नाला लंबे समय तक टिकाऊ रहे। इस पहल की स्थानीय निवासियों ने सराहना की है, क्योंकि गुणवत्तापूर्ण नाला निर्माण से जलभराव की समस्या कम होगी और लोगों को सुविधा मिलेगी। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य समय पर और उच्च मानकों के अनुसार पूरा हो सके।

बांदकपुर तीर्थ धाम पर जागेश्वरनाथ भगवान के दर्शन के लिए काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों के आने की संभावना: कलेक्टर

ट्रस्ट के पदाधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

दमोह। सावन माह की तैयारी को लेकर श्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर में के गेस्ट हाऊस में मंदिर ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन की बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, एएसपी सुजीत सिंह भदोरिया, एसडीएम आरएल बागरी, मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश मेहता, एडवोकेट पंकज हर्ष श्रीवास्तव, एडवोकेट अनुराग श्रीवास्तव और पदाधिकारियों के साथ प्रबंधक पं. रामकृपाल पाठक और क्षेत्रीय नागरिक तथा पुलिस के अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक उपरांत कलेक्टर कोचर एवं पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने मंदिर प्रांगण का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर समुचित दिशा निर्देश दिये गये।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा यह पूरा महीना सावन के त्यौहार से जुड़ा ?हुआ है, 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा है, 11 जुलाई से श्रावण मास का प्रारंभ है और 14 जुलाई को पहला श्रावण सोमवार है और आगे चल कर के 9 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा है। 10 जुलाई से लेकर 10 अगस्त तक पूरा एक महीना पर्वो को समर्पित है। बांदकपुर तीर्थ धाम पर जागेश्वरनाथ भगवान के दर्शन के लिए काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और

कांवड़ियों के आने की संभावना रहती है यहाँ की सारी व्यवस्थाएँ दर्शन को लेकर हैं ताकि यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए यह बहुत सुखद अनुभव रहे, श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप उनको यहाँ दर्शन लाभ हो, इसकी व्यवस्थाएँ सारी देखी गई हैं। पुलिस व्यवस्था, पूरी यातायात व्यवस्था, सीसीटीव्ही कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था, बेरिकेटिंग की व्यवस्था और सभी लोगों के लिए पंक्तिबद्ध दर्शन की व्यवस्थाएँ, इन सारी व्यवस्थाओं को लेकर गहराई से विचार विमर्श किया गया। ट्रस्ट के प्रतिनिधियों और मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं, ताकि 10 तारीख के पूर्व सारे इंतजाम व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सकें।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने पर हेमंत खंडेलवाल को बधाई देने भोपाल पहुंचे भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बनने पर जिला भाजपा के अध्यक्ष शेषराव यादव ने उन्हें बधाई दी है। यादव भाजपा नेता एवं पार्षद विजय पांडे एवं अन्य भाजपा पदाधिकारियों के साथ भोपाल पहुंचे और उन्हें बधाई दी ।

वाहन चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। संगठित गिरोह बनाकर वाहन चोरी करने वाले चार सदस्य दो मोटरसायकिल सहित कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली टीआई आशीष कुमार ने बताा कि आरोपी दुर्गेश रंगारे पिता महेश रंगारे निवासी ग्राम देनी चौकी खमारपानी , सुमित पाटिल पिता रमेश पाटिल निवासी पाटिल मोहल्ला चांद थाना एवं एक बाल अपचारी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के पास से दो मोटरसायकिल जिसमें टी.व्ही.एस स्पोर्ट क्रमांक एमपी 28 एमएल 1970 एवं मोटरसायकिल एचएफ डिलक्स एमपी 28 जेड,बी 7235 कुल मसरूखा 1 लाख 10 का जब्त किया गया है। चोर गिरोह को पकड़ने में कोतवाली टीआई सहित स्टॉप की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मानव व्यापार करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाड़ा अजय पाण्डेय व अति.पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाड़ा रविन्द्र मिश्रा के निर्देशन एवं थाना प्रभारी राजेन्द्र धुर्वे के मार्गदर्शन में गम्भीर अपराध के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर त्वरित एवं सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया हैं!

दिनांक 05/06/2025 की रात्रि को प्रार्थी सुखांता पिता कपिसा नायक उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम गोलबंध, पुलिस थाना रियामाल जिला देवगढ़ (उड़ीसा) ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी मां रंगा नायक अपने घर से दिनांक 26/03/2025 ईलाज कराने हेतु देवगढ़ (उडीसा) गई थी । अस्पताल से बाहर निकलने पर कुन्नू उर्फ कंदर्प नायक एवं नंदिनी नायक मिले जिन्होंने ज्यादा मजदूरी देने का लालच देकर पीडिता रंगा नायक को बहला फुसलाकर नरसिंहपुर लेकर गये जहां पर नरसिंहपुर में राकेश शुक्ला मिला जिसके माध्यम से उडीसा निवासी कुन्नू उर्फ कंदर्प नायक एवं नंदिनी नायक तथा नरसिंपुर निवासी राकेश शुक्ला के द्वारा चौकी सिंगोडी अंतर्गत ग्राम गुरैया निवासी छिदामी मालवीय एवं नीरज मालवीय को 01 लाख रुपये में बेच दिया गया था । दिनांक 02/06/2025 को मौका पाकर पीडिता रंगा नायक आरोपियों छिदामी मालवीय एवं नीरज मालवीय के घर से भाग गई, जिसे गांव वालों के द्वारा पुलिस चौकी लाया गया । पीडिता के उडिया भाषी होने तथा हिंदी भाषा का ज्ञान न होने से पीडिता को वन स्टाफ सेंटर में सुरक्षार्थ रखा गया । पीडिता रंगा नायक के परिजनों से उडीसा में संपर्क किया गया, उसके बेटे सुखांता नायक के उपस्थित आने पर आरोपीगणो के विरुद्ध अप.क्र 446/2025 धारा 143(2), 127(4), 351(3), 3(5) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया । प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में आरोपीगण (01) कुन्नू उर्फ कंदर्प नायक निवासी जगपानी (उडीसा), (02) नंदिनी गायक निवासी अरविल (उडीसा), (03) राकेश शुक्ला निवासी नरसिंहपुर, (04) छिदामीलाल मालवीय निवासी गुरैया, (05) नीरज मालवीय निवासी गुरैया (छिन्दवाड़ा) को चंद घंटों में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया ।

नवीन कानून के एक वर्ष पूर्ण होने पर छिंदवाडा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आयुष गुप्ता के निर्देशन में चलाये जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत , दिनांक 01.07.2025 को भारतीय न्?यास संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (बीएनएसएस), व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिलें के समस्त थाना

/ चौकी प्रभारी द्वारा स्कूल, कॉलेज, बस स्टैण्ड एवं सार्वजनिक स्थानों में जाकर नवीन कानून के संबंध मे विस्तृत चर्चा कर उन्हें कानून के सबंध में जानकारी दी गई, जागरूकता अभियान के माध्यम से नवीन कानून की बारीकियां के सबंध में विस्तृत बातों से आम जनों को अवगत कराया गया ।

हेमंत ने मोहा मोहन का मन बने प्रदेश भाजपा के नए मुखिया

हाकम सिंह गुर्जर

मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष एवं बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आरएसएस की पैरवी पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का मन मोहकर उनकी पहली पसंद बने मुख्यमंत्री की पसंद के कारण हेमंत खंडेलवाल निर्विरोध भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के नए अध्यक्ष निर्वाचित हो गए। बताया जाता है कि संघ नेता सुरेश सोनी ने हेमन्त खंडेलवाल का नाम आगे बढ़ाया था। हालांकि हेमंत खंडेलवाल को राजनीति विरासत में मिली है पिताजी विजय खंडेलवाल के देहावसान के बाद वह बैतूल से उपचुनाव में सांसद निर्वाचित हुए इनका परिवार शुरू से ही राजनीतिक पृष्ठभूमि का रहा है बैतूल में सेवा भारती का मुख्यालय है हेमंत खंडेलवाल के अध्यक्ष बनने की पटकथा संघ के मध्य क्षेत्र के कार्यालय गोविंद नगर में महीनो पहले ही लिख दी गई थी संघ की पसंद के कारण ही मध्य प्रदेश के पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अध्यक्ष पद के लिए उनका समर्थन किया हेमंत खंडेलवाल संगठन और सत्ता के बीच समन्वय बनाने में माहिर माने जाते हैं कई सालों बाद भाजपा में किसी विधायक को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप गई है इससे पहले जितने भी अध्यक्ष रहे हैं वह है लेकिन भाजपा की नई टीम बनाकर वरिष्ठों को उसमें समाहित करके पार्टी को आगे बढ़ना हेमंत खंडेलवाल के सामने बड़ी चुनौती होगी लंबे इंतजार के बाद अब मध्यप्रदेश बीजेपी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। बैतूल विधायक हेमंत विजय खंडेलवाल मध्यप्रदेश भाजपा के निर्विरोध नए अध्यक्ष चुन लिए गए हैं।

नामांकन प्रोसेस के दौरान प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने सीएम मोहन यादव को इशारा किया और फिर मुख्यमंत्री, खंडेलवाल को मंच पर ले गए। सीएम नए अध्यक्ष के प्रस्तावक बने।

मध्यप्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और बैतूल से आदिवासी सांसद को केंद्र में भेजकर बीजेपी ने पहले ही सारे सियासी समीकरण साध लिए हैं। अब बीजेपी वैश्य जाति से आने वाले हेमंत खंडेलवाल को अध्यक्ष बनाकर सभी सियासी समीकरण पूरे करना चाहती है।मध्य प्रदेश स्थानीय व्यंजनखबरों की मानें तो प्रदेश अध्यक्ष के लिए हेमंत के नाम पर सीएम डॉ. मोहन यादव से लेकर संगठन और पार्टी में अंदरूनी तौर पर सबकी सहमति पहले से ही थी हेमंत खंडेलवाल संघ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के करीबी माने जाते हैं। मध्यप्रदेश की राजनीति में उनकी छवि स्वच्छ और साफ है। वैश्य वर्ग से आने वाले खंडेलवाल बैतूल विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक हैं।

आदिवासियों के बीच भी उनकी अच्छी पकड़ है जिससे वो आदिवासी वर्ग को साध सकते हैं।

बीजेपी के सूत्रों की मानें तो बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है। अगले तीन सालों में प्रदेश और देश में विधानसभा और लोकसभा का कोई चुनाव नहीं हैं।

ऐसे में पार्टी वोटर्स के गणित से ज्यादा पार्टी में समन्वय बनाकर चलने वाले चेहरे को कमान देने की तैयारी में है। हेमंत खंडेलवाल को लाइमलाइट से दूर रहकर काम करने के लिए जाना जाता है।

भारत देश में वैश्य समाज की 30 फीसदी जनसंख्या है। मध्यप्रदेश में देखा जाए तो शहरी इलाकों में बड़ी संख्या में वैश्य मतदाता हैं। ऐसे में बीजेपी 2028 विधानसभा चुनाव और 2029 लोकसभा चुनाव से पहले इस वर्ग को खुश करने की कोशिश है। खंडेलवाल के पिता विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा के वरिष्ठ नेता और बैतूल से सांसद रहे हैं। 2008 में पिता के निधन के बाद हेमंत खंडेलवाल सक्रिय रूप से राजनीति में आए और उसी साल लोकसभा उपचुनाव जीतकर सांसद बने। हेमंत खंडेलवाल इस समय एमपी की बैतूल विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं।

पुरानी धातु से नई कल्पनाओं तक

भोपाल के चिनार पार्क में रोज़ाना सुबह की सैर का अनुभव

सुनील गंगराडे

कभी सड़कों पर दौड़ते ट्रैक्टरों के थके हुए इंजन, ट्रकों के बेकार हो चुके ब्लॉक, पहियों के जंग लगे रिम, टूटे पिस्टन और ढीली पड़ चुकी रिंगें—जिन्हें अक्सर कबाड़ समझकर भुला दिया जाता है—, इन लोहे के जर्जर टुकड़ों को जब मध्य प्रदेश के इंजीनियर - कलाकार श्री पीके चौधरी की संवेदनशील दृष्टि और रचनात्मक हाथों ने छुआ, तो वे आकृतियों में ढलकर जीवंत हो उठे।अस्सी के दशक में रचे गए ये धातु शिल्प सिर्फ कलात्मक रचनाएँ नहीं हैं, बल्कि एक संदेश हैं—पुराने को नकारो मत, उसे नया जीवन दो। हर टेढ़ी-मेढ़ी चेन, हर घिसा हुआ पिस्टन अपने भीतर एक बीता हुआ समय और संघर्ष की कहानी समेटे हुए है। इन्हीं कहानियों को आकार मिला है हर आकृति में।

हरियाली से घिरी खुली जगह में, ऊँचे और घने पेड़ों की छांव में जब ये शिल्प खड़े होते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे प्रकृति और तकनीक एक-दूसरे का आलिंगन कर रहे हों। ये दृश्य न केवल आँखों को आकर्षित करता है, बल्कि मन को भी छू जाता है—याद दिलाता है कि सुंदरता सिर्फ नवीनता में नहीं, पुनर्जन्म में भी होती है।

हर आकृति एक कहानी है—संघर्ष की, श्रम की, और पुनर्जन्म की।

हरियाली के बीच खड़ी ये शिल्प रचनाएँ हमें सिखाती हैं कि सुंदरता हर कहीं छिपी है, बस नज़र चाहिए ! जैसे ही आप चिनार पार्क के मेन गेट पर पहुँचते हैं,एक भव्य गणेश प्रतिमा आपका स्वागत करती है—शांति और शुभता के प्रतीक स्वरूप।आगे कदम बढ़ाइए और प्रवेश कीजिए उस संसार में जहाँ लोहे, जर्जर धातु और पुराने कलपुर्जों से रची गई आकृतियाँ आपको विस्मित कर देती हैं।

जिरह-बख़्तर पहने, भालों से लैस योद्धा—मानो किसी युद्ध गाथा के पात्र हों।तने हुए फन के साथ खड़े शेषनाग – जैसे समय को रोकने आए हों।राजसी सवारी के लिए सजा हुआ हाथी , घोड़ा , पालकी – गर्व और गरिमा का प्रतीक।

सर पर बोझा लादे बच्चों को स्नेह से दुलारती माँ,झूले पर बैठे प्रेमी युगल,झरोखों से झाँकती युवतियाँ – हर मूर्ति एक कहानी कहती है।इन शिल्पों के बीच चलते हुए ऐसा लगता है जैसे आपकी कल्पना को पंख लग गए हों।यह केवल एक पार्क नहीं – यह स्मृतियों, संस्कृतियों और कल्पनाओं की खुली गैलरी है।

भोपाल की लिंक रोड पर फैला 50 एकड़ में चिनार पार्क, आज फिर से संवर रहा है।जहाँ पेड़ों की छाँव में सुकून के साथ कला की धड़कन भी गूंज रही है।चिनार पार्क का कायाकल्प केवल सौंदर्य का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि पर्यावरण, कला और पुनर्चक्रण का संगम है। ÷हज़ारों साल से नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती रही,बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदाज÷

शायर अल्लामा इक़बाल की ये पंक्तियाँ भोपाल के चिनार पार्क पर एकदम सटीक बैठती हैं।

लिंक रोड पर, अरेरा पहाड़ी की ढलानों पर फैला यह पार्क अब अपनी उम्र की लगभग आधी सदी पूरी कर रहा है।बरसों बरस यह हरियाली में लिपटा हुआ रहा, लेकिन लिंक रोड की तेज़ रफ़्तार और नज़रअंदाज़ी के बीच इसकी रौनक धीरे-धीरे फीकी पड़ती गई।

पर अब—शायद किसी दीदावर की नज़र पड़ गई है।यह सिर्फ सौंदर्यीकरण नहीं, यह एक सोच है।एक संदेश है – कि हर पुरानी चीज़ में एक नई संभावना छिपी होती है, बस एक दीदावर की नज़र चाहिए।